वर्ष : 33 » अंक : 234 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, रविवार, 10 नवंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

कांग्रेस शासित राज्य 'शाही परिवार के एटीएम' : मोदी

- पीएम ने किया चुनाव प्रचार, भ्रष्टाचार पर एमवीए को घेरा
- विपक्षी पार्टी पर धन उगाही का आरोप लगाया

'महायुति का घोषणापत्र, एमवीए का घोटाला पत्र'

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा नीत महायुति गठबंधन का घोषणापत्र महिलाओं की सुरक्षा, रोजगार, लड़की बहन योजना के विस्तार पर केंद्रित है, जबकि महा विकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी शामिल हैं, ने घोटाला पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है कि एमवीए का मतलब भ्रष्टाचार, टोकन मनी और ट्रांसफर पोस्टिंग का धंधा है।

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/अकोला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के अकोला और नांदेड़ में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस पर हमला बोला। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए मोदी ने अकोला की रैली में कहा कि जहां भी कांग्रेस की सरकार बनती है, वह राज्य पार्टी के 'शाही परिवार का एटीएम (ऑटोमेटेड टेलर मशीन) बन जाता है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र चुनावों के लिए कांग्रेस शासित कर्नाटक में शराब कारोबारियों से 700 करोड़ रुपये तक की उगाही की गई है। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश भी इस 'शाही परिवार के एटीएम बन गए हैं। कहा कि हम महाराष्ट्र को कांग्रेस का एटीएम नहीं बनने देंगे। जब कांग्रेस चुनाव जीतने के लिए इतना भ्रष्टाचार करती है, तो कोई कल्पना कर सकता है कि सत्ता में आने के बाद पार्टी कितनी भ्रष्ट होगी।

'आंबेडकर मेरे प्रेरणास्रोत'

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह कांग्रेस के 'शाही परिवार को चुनौती दे रहे हैं कि वे साबित करें कि क्या उन्होंने कभी बाबासाहेब आंबेडकर के पंचतीर्थ का दौरा किया है। मोदी ने पंचतीर्थ शब्द को मध्य प्रदेश के महू में आंबेडकर के जन्मस्थान, लंदन में वह स्थान जहां वे पढ़ाई के दौरान रुके, नागपुर में दीक्षा भूमि जहां बौद्ध धर्म अपनाया, दिल्ली में उनका महापरिनिर्वाण स्थल और मुंबई में चैत्य भूमि को दर्शाने के लिए गढ़ा है। कहा कि बाबासाहेब मेरे, भाजपा और मेरी सरकार के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जबकि कांग्रेस उनसे नफरत करती है।

'जातियों को लड़ा रही कांग्रेस'

मोदी ने कहा कि कांग्रेस की योजना जातियों और समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना और दलितों और पिछड़ों को एकजुट नहीं होने देना है। लेकिन, हरियाणा के लोगों ने एक हैं तो सुरक्षित हैं के मंत्र का पालन करके इस साजिश को विफल कर दिया। हरियाणा के दंगों में दलितों की हत्या की गई और कांग्रेस अपराधियों के साथ खड़ी रही। कहा कि कांग्रेस जानती है कि देश के कमजोर होने पर ही वह मजबूत होगी। कहा, महाराष्ट्र के लोग वही दोहराने जा रहे हैं जो हरियाणा विधानसभा चुनाव में हुआ। भाजपा ने वहां अब तक की सबसे अधिक सीटें जीतीं।

'अनुच्छेद 370 से प्रेम क्यों'

मोदी ने कहा कि अनुच्छेद 370 से कांग्रेस को इतना प्रेम क्यों है? जम्मू-कश्मीर विधानसभा में इसकी बहाली के लिए प्रस्ताव का समर्थन करने पर उन्होंने कांग्रेस की आलोचना की। कहा कि ये लोग भारत विरोधी ताकतों की भाषा बोल रहे हैं। कश्मीर को फिर हिंसा और आतंकवाद में धकेलना चाहते हैं। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद वहां के दलितों और आदिवासियों को आरक्षण मिला। जबकि इसी अनुच्छेद के कारण कश्मीरी हिंदू पलायन कर गए।

'लाल किताब के पन्ने खाली'

नांदेड़ की रैली में प्रधानमंत्री ने दावा किया कि एससी/एसटी और आदिवासियों की एकजुटता की वजह से कांग्रेस साल दर साल अपना समर्थन खो रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लोग भारत का संविधान लिखी लाल किताब दिखा रहे हैं जिसके अंदर के पन्ने खाली हैं और यह डॉ. बाबासाहेब के प्रति कांग्रेस की उपेक्षा का प्रमाण है।

'राम मंदिर की याद दिलाई'

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2019 में नौ नवंबर के ही दिन सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर पर अपना फैसला सुनाया था। यह तारीख इसलिए भी याद की जाएगी क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर धर्म के लोगों ने बड़ी संवेदनशीलता दिखाई। कहा कि राष्ट्र प्रथम की यह भावना भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

'भाजपा और महायुति की लहर'

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि आज पूरे महाराष्ट्र में भाजपा और महायुति के समर्थन की लहर है। हर किसी की जुबान पर एक ही नारा है, 'केवल भाजपा-महायुति ही महाराष्ट्र की तीव्र प्रगति सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि देश आज विकसित भारत के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है और जनता जानती है कि केवल भाजपा और उसके सहयोगी दल ही इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए गंभीरता से काम कर रहे हैं। यही कारण है कि देश की जनता बार-बार भाजपा और राजग सरकार को चुन रही है।

संत ज्ञानेश्वर महाराज पालकी मार्ग
संत तुकाराम महाराज पालकी मार्ग

- महानुभाव तीर्थ स्थल विकास: रिद्धपूर, काटोल, भिष्णूर, जालीचा देव, पोहीचा देव, नांदेड, पांचालेश्वर, पैठन जैसे चक्रधर और महानुभाव पंथ से संबंधित स्थलों का विकास
- राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की प्रेरणा से हुए स्वतंत्रता संग्राम का स्मारक
- श्री संत सेवालाल महाराज स्मारक, नगाराभवन, पोहरादेवी
- संत निवृत्तीनाथ महाराज समाधि स्थल का विकास
- संत निलोबाराय महाराज समाधि मंदिर का विकास
- संत जगनाडे महाराज समाधि स्थल सुदुंबरे का विकास, नागपुर में आर्ट गैलरी
- संत मुक्ताई मंदिर कोथली का विकास
- संत गाडगेबाबा समाधि स्थल का विकास, ऋणमोचन
- प्रज्ञाचक्षु गुलाबराव महाराज स्मारक निधि
- गहिनीनाथ किले का संवर्धन और विकास
- जेजुरी, भीमाशंकर, नीरा-नरसिंगपूर, श्रीक्षेत्र परली सहित स्थलों का विकास

*Matter related to "Clock" symbol of the NCP is sub-judice in the Supreme Court

भाजप-महायुती आहे तर गती आहे
महाराष्ट्राची प्रगती आहे

भारतीय जनता पार्टी - महाराष्ट्र
महायुतीला मतदान करा आणि विजयी करा

Published By: Bharatiya Janata Party, Maharashtra | C.D.O Barrack No. 1, Nariman Point, Mumbai- 400020

'वक्फ बिल का विरोध, RSS पर बैन, मुस्लिमों को आरक्षण'

उलेमा बोर्ड की 17 शर्तों को कांग्रेस ने मानी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड महाराष्ट्र ने महाविकास अघाडी को समर्थन देने के लिए 17 सूत्री शर्त रखी है, जिनमें वक्फ बिल का विरोध, नौकरी और शिक्षा में 10% मुस्लिम आरक्षण, इमाम और मौलाना का मासिक 15000 रुपए भत्ता, सरकार बनने पर आरएसएस पर प्रतिबंध जैसी शर्तें हैं। इस बाबत ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड, महाराष्ट्र के चेयरमैन नायाब अंसारी ने महाविकास अघाड़ी को पत्र दिया गया है। कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) ने सभी शर्तें मान ली है और उलेमा बोर्ड के नेताओं को चुनाव प्रचार के लिए आमंत्रित किया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने उलेमा बोर्ड को जवाबी पत्र में कहा कि हमें ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड से एक बयान मिला है, जो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में हमारा समर्थन करने के लिए तैयार है और हमारी 17 मांगें हैं। उन्होंने कहा आपके समर्थन के लिए हम आपका शुक्रिया अदा करते हैं। यह भी उम्मीद है कि ऑल इंडिया उलमा बोर्ड विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों की जीत के लिए प्रचार करेगा। उन्होंने कहा कि 17 मांगों के संबंध में हम आपको बताना चाहेंगे कि महाराष्ट्र में अखिल भारतीय सरकार बनने के बाद हम अपनी मांगों को लागू करने के लिए निश्चित रूप से कदम उठाएंगे।

मुस्लिम आरक्षण और वक्फ विधेयक पर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

भाजपा ने कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण और सांप्रदायिक राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा है कि ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड, महाराष्ट्र की मांगों को मानना बेहद खतरनाक है। वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि कांग्रेस की सहमति देश के विघटन का चार्टर है। पूछा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस देश को कितना और तोड़ेगी। भाजपा नेता ने कहा कि उलेमा बोर्ड ने महा विकास अघाड़ी के नेताओं से आग्रह किया है कि वे वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करें और कांग्रेस नेता नाना पटोले ने भी उन्हें इसका आश्वासन दिया है। प्रसाद ने कहा कि क्या पटोले ने बिना राहुल गांधी से बात किए यह आश्वासन दिया है। अगर कांग्रेस नेतृत्व इस पर सहमत है तो वह देश को इसका जबाब दे।

2.37 करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ चार गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को उत्तरी मुंबई के मालवानी से चार लोगों को 2.37 करोड़ रुपए की 594 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मूल निवासी हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने पकड़ा है। उनके तस्करी नेटवर्क की आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, इस साल नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत 68 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 146 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें छह मामले शामिल हैं, जिनमें 8.88 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की गई और 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

महाराष्ट्र में 'वोट जिहाद' बनाम 'वोटों के धर्मयुद्ध'

देवेंद्र फडणवीस का औवेसी और MVA पर हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को 'वोट जिहाद' का मुकाबला 'वोटों के धर्मयुद्ध' से करार दिया। शनिवार को फडणवीस ने महायुति गठबंधन के उम्मीदवारों संजय शिरसाट (औरंगाबाद पश्चिम), अतुल सावे (औरंगाबाद पूर्व) और प्रदीप जायसवाल (औरंगाबाद मध्य) के समर्थन में संभाजीनगर में आयोजित रैली में बोलते हुए ये दावा किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र अब वोट जिहाद चल रहा है। लोकसभा चुनाव में इसका उदारण देखने को मिला। धुले में 1।90 लाख वोटों से आगे थे। इसी तरह से मालेगांव (विधानसभा क्षेत्र) में 1।94 लाख वोट थे। फिर भी वे लोग 4,000 वोटों से हार गए। यह हार वोट जिहाद के कारण हुई है, क्योंकि हम लोग एक साथ नहीं हैं। फडणवीस ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' का संदेश दिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है 'एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे'। उन्होंने कहा कि यह चुनाव यह दिखाने के लिए है कि 23 तारीख को भी संभाजीनगर भगवामय रहेगा। कुछ लोगों ने भगवा के साथ गद्दारी शुरू कर दी। बालासाहेब ठाकरे ने इस शहर का नाम संभाजीनगर रखा, लेकिन हाल के दिनों में कुछ नेताओं को खुद को हिंदू सम्राट कहने में शर्म आती है। यह चुनाव एकता दिखाने का चुनाव है। उन्होंने औवेसी और उद्धव ठाकरे की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'हम छत्रपति संभाजीनगर में महायुति को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आए हैं। यह नाम किसी के जन्मदाता पिता द्वारा नहीं बदला जा सकता। एमआईएम की बैठक में एक महिला ने कहा। ये संभाजी राजे कौन थे? यह संभाजीनगर कैसे बना? महायुति सरकार ने शहर का नाम संभाजी महाराज के नाम पर रखा। अब हम जाग चुके हैं।

कांग्रेस की गारंटी को सही साबित करने के लिए उतरे 2 सीएम और 1 डिप्टी सीएम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांग्रेस ने अपनी गारंटी को सही साबित करने के लिए अपने दो राज्यों के मुख्यमंत्री और एक राज्य के उपमुख्यमंत्री को मैदान में उतारा है। इन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने जो गारंटी दी उसे पूरा किया है। उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि हमारी गारंटी का लोगों को लाभ हो रहा है। बीजेपी ने जो आरोप लगाए वे पूरी तरह से गलत है। उसमें कोई दम नहीं है।

कौन उतरा मैदान में?

शनिवार को तिलक भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बीजेपी के उस दावे को झूठलाते हुए कहा गया था कि तीनों राज्यों में कांग्रेस की तरफ से घोषित गारंटी पूरी नहीं की जा रही है। बीजेपी के झूठ का पर्दाफाश करते हुए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने कहा कि सत्य को हमेशा झूठ का सामना करना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश को भी बीजेपी के ऑपरेशन लोटस का सामना करना पड़ा, फिर भी लोगों ने कांग्रेस पर भरोसा किया और सत्ता में वापसी कराई।

चारकोप विधानसभा में महायुति में पड़ी फूट

शिंदे गुट के विभाग प्रमुख ने चुनाव प्रचार से किया इनकार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारा हो चुका है और प्रत्याशियों नामांकन के बाद चुनाव प्रचार में जुट गए है। जिन लोगों को पार्टियों से टिकट नहीं मिला है, वे लोग बगावत पर उतर आए है। ऐसा ही एक मामला चारकोप विधानसभा क्षेत्र से सामने आया है। चारकोप विधानसभा से शिवसेना (शिंदे गुट) के विभाग प्रमुख लालसिंह राजपुरोहित ने खुल कर मौजूदा विधायक एवं उम्मीदवार योगेश सागर का विरोध किया है। लालसिंह राजपुरोहित ने अपने कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भाजपा का प्रचार-प्रसार करने के लिए नहीं जाएगा। ऐसे में यहां से महाविकास अघाडी व कांग्रेस के प्रत्याशी यशवंत जयप्रकाश सिंह की स्थिति मजबूत होती दिख रही है। महायुति में फूट का फायदा यशवंत सिंह को मिल रहा है, जोकि अभी तक 50 प्रतिशत पर लड़ाई में थे।

आज संकल्प पत्र जारी करेंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में सभी 288 सीटों पर 20 नवंबर को चुनाव होने हैं। सभी पार्टियों के उम्मीदवार चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का संकल्प पत्र जारी करेंगे। सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र के संकल्प पत्र में भाजपा 20 प्रमुख बिंदुओं को शामिल कर सकती है। - पेज 3 भी देखें

'महायुति को सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं'

किसानों की दुर्दशा, बेरोजगारी पर बरसे शरद पवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/ लातूर।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को महाराष्ट्र की भाजपा नीत महायुति पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जिस गठबंधन को कृषि की समझ नहीं है और शिक्षित बेरोजगारों की चिंता नहीं है, उसे सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

लातूर जिले के उदगीर में सरकार पर बरसे शरद पवार

लातूर जिले के उदगीर में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए एक अभियान रैली में उन्होंने कहा कि राज्य में किसानों की उपेक्षा की जा रही है, जबकि प्रमुख परियोजनाओं को गुजरात की ओर मोड़ दिया जा रहा है। शरद पवार की पार्टी ने 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अपने राजनीतिक रूप से अलग-थलग भतीजे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की अगुवाई वाली प्रतिद्वंद्वी एनसीपी के संजय बंसोडे के खिलाफ सुधाकर भालेरो को मैदान में उतारा है।

'महाराष्ट्र कभी सोयाबीन और कपास उत्पादन में था अग्रणी'

इस दौरान एनसीपी (सपा) प्रमुख ने कहा कि महाराष्ट्र कभी सोयाबीन और कपास उत्पादन में अग्रणी था, लेकिन भाजपा नीत केंद्र सरकार की तरफ से सोयाबीन डेरिवेटिव्स का आयात शुरू करने के बाद स्थानीय किसानों को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इस नीति ने किसानों की रीढ़ तोड़ दी है। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि चीनी, प्याज और सोयाबीन पर निर्यात प्रतिबंध राज्य में कृषि क्षेत्र को कमजोर कर रहा है। शरद पवार ने आगे कहा, केंद्र ने कृषि उत्पादों के आयात की भी अनुमति दे दी, जो स्थानीय स्तर पर प्राप्त किए जा सकते थे, जिससे महाराष्ट्र के सोयाबीन उत्पादकों को और नुकसान हुआ। किसानों के प्रति ऐसी अहितकर नीतियां सरकार की किसानों के प्रति उपेक्षा को उजागर करती हैं। इसलिए इन नेताओं को सत्ता में नहीं रहना चाहिए।

बढ़ते अपराध, महंगाई को लेकर की सरकार की आलोचना

उन्होंने बढ़ते अपराध, महंगाई और महिलाओं के खिलाफ अन्याय को लेकर भी महायुति सरकार की आलोचना की। उन्होंने पूछा, सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों की तरफ से पुलिस थानों में लोगों को खुलेआम हिंसा की धमकी देने जैसी घटनाएं कानून-व्यवस्था पर चिंता पैदा करती हैं। यह सरकार क्या कर रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र से उद्योग छीने जा रहे हैं और कारोबार गुजरात की ओर मोड़ा जा रहा है।

कार से 3.70 करोड़ जब्त

डीबीडी संवाददाता । पालघर

पालघर में वाडा पुलिस ने एक कार से 3.70 करोड़ रुपये से अधिक जब्त किए। पुलिस ने बताया कि कार ऐरोली नवी मुंबई से वाडा के विक्रमगढ़ जा रही थी। कार एक कंपनी की है। कंपनी ने दावा किया कि नकदी एटीएम में भरने के लिए थी, लेकिन उनके पास इतनी बड़ी रकम के लिए आवश्यक दस्तावेज नहीं थे। इसलिए नकदी जब्त कर ली गई। चालक और कार को थाने लाया गया और जांच की जा रही है।

'मुंबई में हिंदुओं की आबादी 54% रह जाएगी'

रोहिंग्याओं पर निशाना साध बीजेपी नेता किरीट सोमैया का बयान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक है तो सुरक्षित है' बयान का समर्थन किया और मुंबई में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। इस दौरान उन्होंने ने दावा किया कि अगर यही हाल रहा तो मुंबई में हिंदू आबादी घटकर सिर्फ 54 प्रतिशत रह जाएगी।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की रिपोर्ट का दिया हवाला

किरीट सोमैया ने कहा, 'पीएम मोदी कहते हैं 'एक है तो सुरक्षित है', यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ कहते हैं 'बटेंगे तो कटेंगे'। मेरे पास टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की एक रिपोर्ट है। इस रिपोर्ट के अनुसार, जिस तरह से मुंबई में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है, उससे शहर में हिंदू आबादी घटकर 54 प्रतिशत रह जाएगी। इसलिए हम (भाजपा) कहते हैं 'एक है तो सुरक्षित है। उन्होंने कहा, 'मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष कहते हैं कि वे मुंबई में सभी अवैध मस्जिदों को मान्यता देंगे। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले कहते हैं कि वे 'लव जिहाद' को रोकने के लिए कानून बनाने की अनुमति नहीं देंगे और सभी लव जिहाद के मामलों को वापस लेंगे। इसलिए मतदाताओं ने 'एक है तो सुरक्षित है' का फैसला किया है।

सुनील टिंगरे ने शरद पवार को भेजा कानूनी नोटिस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/ बारामती।

बारामती से सांसद और एनसीपी प्रमुख शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने कहा कि विधायक सुनील टिंगरे ने उनके पिता शरद पवार को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें विधायक ने पुणे पोर्श केस में उन्हें बदनाम न करने के लिए कहा है। सुले ने कहा कि जिस व्यक्ति को पार्टी ने पिछली बार टिकट दिया था, उसने अब नोटिस भेजा है कि अगर पोर्श कार मामले में उन्हें बदनाम किया गया तो वह शरद पवार को अदालत में घसीटेंगे। मगर शरद पवार प्रवर्तन निदेशालय के नोटिस से भी नहीं डरते। तो वह आपके नोटिस से डरेंगे? टिंगरे के नोटिस पर हम गौर करेंगे। अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी से चुनाव लड़ रहे सुनील टिंगरे पर पुणे पोर्श दुर्घटना मामले में आरोपियों को बचाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आरोप है। वहीं विधायक सुनील टिंगरे ने कहा कि मैनें शरद पवार को कोई नोटिस जारी नहीं किया है। हाल ही में पार्टी के कुछ नेताओं और प्रवक्ताओं ने एक मामले में मुझे बदनाम किया और मेरे खिलाफ कई बयान दिए। चुनाव के दौरान गलत जानकारी नहीं फैलाई जाए। इसलिए, मैंने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के कुछ पार्टी नेताओं को नोटिस भेजा है। मैंने शरद पवार को कोई विशेष नोटिस नहीं भेजा है।

महाराष्ट्र को विनाश की तरफ लेकर जाना चाहता है महाविकाश अघाड़ी: पीयूष गोयल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने महाविकास अघाड़ी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा को उत्तर मुंबई की छह विधानसभा सीटों पर शानदार रिस्पांस मिल रहा है। पीयूष गोयल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ₹महाविनाश अघाड़ी गठबंधन महाराष्ट्र को विनाश की तरफ लेकर जाना चाहते हैं। उनसे यह नहीं देखा जा रहा है कि महाराष्ट्र में औद्योगिक विकास हो रहा है और महाराष्ट्र देश का नंबर वन स्टेट है। यहां व्यापार के लिए नए अवसर मिल रहे हैं और स्टार्टअप की दुनिया से जुड़े युवा अपने भाग्यविधाता बन रहे हैं। मेरा मानना है कि उनकी सोच से ही उन्हें पराजय मिलेगी। ऐसी नकारात्मक सोच के साथ वह देश और राज्य का विकास नहीं कर पाएंगे। उन्होंने उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह खुद कई साल तक सरकार में रहे तो तब उन्होंने गरीबों के लिए क्यों काम नहीं किया। मैं समझता हूं कि ऐसा बयान देने की वजह से आज महाराष्ट्र के झोपड़ियों में रहने वाले लोगों ने तय कर लिया है कि महाविनाश अघाड़ी को हराना है। कोई भी नहीं चाहता है कि वह झोपड़ी में रहे, लेकिन उनकी मजबूरियां हैं।

उल्हासनगर भरारी दस्ते के पांच सदस्यों के खिलाफ हफ्ता वसूली का मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर:

उल्हासनगर भरारी टीम द्वारा हफ्ता वसूलने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है.जिसमे फूलों के व्यापारी द्वारा फूलों की खेती करने वाले किसानों के फूलों के भुगतान करने के लिए नकदी लेकर जा रहे एक व्यापारी से 85 हजार रुपए की हफ्ता वसूली करने वाले मनपा व पुलिसकर्मियो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।फिलहाल पुलिस ने 13 दिन पूर्व इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज आगे की जांच में जुट गयी है।

क्या है मामला?

कल्याण के फूलों के व्यवसायी बबन अमले और उनके दोस्त नितिन शिंदे अहमदनगर और पुणे जिलों में किसानों को फूलों की उपज की बिक्री का भुगतान करने 28 अक्टूबर की सुबह कल्याण से जा रहे थे। म्हाराल चौकी के पास आचार संहिता भरारी दस्ता नंबर छह के प्रमुख संदीप शिरसवाल ने उनकी कार को रोककर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान उनके पास 7 लाख 50 हजार रुपये की नकदी मिली . इसके बाद भरारी पथक प्रमुख ने अमले और शिंदे के खिलाफ मामला दर्ज कराने की धमकी दी .मामला दर्ज नही करने के एवज पैसों की मांग की।अमले ने उन्हें फूलों की खरीद के रसीदें दिखाए और बताया कि उनका पैसा वैध था, फिर भी शिरस्वाल केस कर फँसने की धमकी देकर 85 हजार रुपये ले लिए।उसके बाद बबन अमले ने इसकी शिकायत विधानसभा की आचार संहिता टीम के प्रमुख सुनील लोंढे से की। मामले को दबाने का काफी प्रयास किया गया। पर 13 दिन बाद यह मामला आखिर खुल ही गया।आखिर उल्हासनगर महापालिका के सहायक आयुक्त और विधानसभा आचारसंहिता पथक प्रमुख सुनिल लोंढे की शिकायत पर पांच लोग संकेत चनपूर, संदीप शिरसवाल, उल्हासनगर महापालिका कर्मचारी आण्णासाहेब बोरूडे,पुलिस हवालदार विश्वनाथ ठाकूर राजरत्न बुकटे के खिलाफ हफ्ता वसूली के तहत मामला दर्ज किया गया।

> "हालाँकि घटना 28 अक्टूबर को हुई थी, लेकिन यह 31 अक्टूबर को सामने आयी। सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद 9 नवंबर को मामला दर्ज कर लिया गया है. संबंधित टीम के सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।
>
> विजयानंद शर्मा, चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर

चुनाव प्रचार के लिए नासिक आएंगी प्रियंका गांधी

17 नवंबर को त्र्यंबकेश्वर मंदिर में करेंगी दर्शन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/ नासिक

राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी जल्द ही नासिक जिले के दौरे पर आ रही हैं। उत्तर महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों के लिए वे 17 नवंबर को त्र्यंबकेश्वर में सभा को संबोधित करेंगी। उनके तय कार्यक्रम के अनुसार वे यहां पहुंचकर पहले त्र्यंबकेश्वर मंदिर में दर्शन करेंगी और उसके बाद सभा को संबोधित करेंगी। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में कांग्रेस और महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों के लिए जनसभाएं करेंगे। हाल में हुए लोकसभा चुनावों के बाद से प्रियंका गांधी चुनाव प्रचार में सक्रिय हैं। प्रियंका गांधी ने नंदुरबार में भी उत्तर महाराष्ट्र के लिए बैठक की। उस बैठक को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इसी तर्ज पर आदिवासी तहसीलों में भी उनकी मौजूदगी में एक बैठक का आयोजन किया गया है। अब उनकी मौजूदगी में आने वाले 13, 16 और 17 नवंबर को राज्य के विभिन्न स्थानों पर प्रचार सभाएं आयोजित की गई हैं। इस दौरान वे गढ़चिरौली में एक रोड शो भी करेंगी। कार्यक्रम के मुताबिक रविवार 17 नवंबर को प्रियंका गांधी नासिक जिले में बैठक करेंगी।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस-भुज, बांद्रा टर्मिनस-भुज-वलसाड, बांद्रा टर्मिनस-भुज तथा बांद्रा टर्मिनस-हिसार के बीच विशेष किराये पर चार शीतकालीन स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

बांद्रा टर्मिनस- भुज सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस-भुज सुपरफास्ट स्पेशल मंगलवार, गुरुवार और रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 23:45 बजे रवाना होगी और अगले दिन 13:05 बजे भुज पहुंचेगी। यह ट्रेन 12, 14 और 17 नवंबर, 2024 को चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09038 भुज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, शनिवार और सोमवार को भुज से 19:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन 09.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 13, 16 और 18 नवंबर, 2024 को चलेगी।

बांद्रा टर्मिनस- भुज - वलसाड सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस-भुज सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, 13 नवंबर, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 23:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:30 बजे भुज पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09030 भुज-वलसाड सुपरफास्ट स्पेशल गुरुवार, 14 नवंबर, 2024 को भुज से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.45 बजे वलसाड पहुंचेगी।

बांद्रा टर्मिनस- भुज सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09471 बांद्रा टर्मिनस-भुज सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 18 नवंबर, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 12:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03:30 बजे भुज पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09472 भुज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 17 नवंबर, 2024 को भुज से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

बांद्रा टर्मिनस-हिसार सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 04726 बांद्रा टर्मिनस-हिसार सुपरफास्ट स्पेशल मंगलवार, 12 नवंबर, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से 09.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 11.10 बजे हिसार पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04725 हिसार-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 11 नवंबर, 2024 को हिसार से 05.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

राजनीतिक दलों को नहीं पर्यावरण की चिंता

चुनावी एजेंडे से गायब रहा मुद्दा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दल जोर-शोर से चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्रों में सभी दलों ने कई घोषणाएं की हैं लेकिन एक मुद्दा है जो लगभग सभी दलों ने नजरअंदाज कर दिया। पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने यह दावा किया है कि चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दलों को मुंबई और उसके महानगरीय क्षेत्र में पर्यावरण के मुद्दों की कोई चिंता नहीं है। पर्यावरणविदों के मुताबिक इससे भविष्य में खतरनाक परिणाम सामने आ सकते हैं। गैर-लाभकारी और नागरिक संगठनों के कार्यकर्ताओं के अनुसार बेमौसम बारिश, बाढ़, वायु प्रदूषण और समुद्री प्रदूषण उन प्रमुख मुद्दों में हैं, जो लुप्त हो रही आर्द्रभूमि के बीच हर एक नागरिक के लिए चिंता का विषय हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले संगठन 'नैटकनेक्ट' के निदेशक बी एन कुमार ने कहा, ''मुंबई और इसके क्षेत्रीय शहरी केंद्रों पर खुली जगह की बड़ी दिक्कत है। एक खतरनाक स्थिति यह है कि पहले की कपड़ा मिलों की जमीन कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो गई है और वृक्षारोपण पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।''

प्रति व्यक्ति खुली जगह में आई कमी

उन्होंने कहा कि मुंबई और उसके महानगरीय क्षेत्र में प्रति व्यक्ति खुली जगह में कमी आने के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट दमघोंटू वायु प्रदूषण स्थिति बयां करती है। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे सामान्य चुनावी बयानबाजी से आगे बढ़कर पर्यावरण की देखभाल पर भी समान रूप से ध्यान दें। इस दृष्टिकोण से सहमति जताते हुए सागर शक्ति नामक संगठन के निदेशक नंदकुमार पवार ने दावा किया कि खाड़ी और समुद्र का पानी अत्यधिक प्रदूषित हो रहा है, जबकि शिकायतों के बावजूद अधिकारी यह मानने को तैयार नहीं है।

धीरे-धीरे खत्म हो रही आर्द्रभूमि

नंदकुमार पवार ने कहा, ''तटीय रायगढ़ जिले के उरण जैसे इलाकों में अंतर-ज्वारीय आर्द्रभूमि समाप्त हो गयी है। कुछ गांव बेमौसम बाढ़ की चपेट में हैं क्योंकि पानी का प्राकृतिक मार्ग बदल गया है।'' संगठनों ने दावा किया कि पूर्ववर्ती महा विकास आघाडी (एमवीए) की सरकार ने मुंबई जलवायु कार्य योजना (एमसीएपी) का मसौदा तैयार किया था, लेकिन बाद की सरकारों ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना-यूबीटी एकमात्र राजनीतिक दल है जिसने अपने घोषणापत्र में पर्यावरण की देखभाल का जिक्र किया है और सभी जिलों के लिए जलवायु कार्य योजना बहाल करने का वादा किया है। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा, जबकि मतों की गिनती 23 नवंबर को की जाएगी।

कांग्रेस पार्टी ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति करती है : शाइना एनसी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधासभा चुनाव से पहले 7 नवंबर को उलेमा बोर्ड ने महाविकास अघाड़ी को समर्थन देने के लिए मुस्लिमों को 10 फीसदी आरक्षण, आरएसएस पर बैन जैसी 17 शर्तें रखी हैं। इस पर शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कांग्रेस पार्टी को घेरा है। उन्होंने बात करते हुए कहा, "कांग्रेस पार्टी ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की है। हर बार यह देखा गया है कि कांग्रेस पार्टी किसी को तुष्टिकरण, किसी को वोट बैंक या फिर किसी को गलत तरीके से समर्थन और शरण देती है। यहां साफ़ नजर आता है कि कांग्रेस पार्टी उलेमाओं को वोट बैंक के रूप में देख रही है और लगातार उन्हें आश्वासन देती जा रही है। मैं यह पूछना चाहती हूं कि यूबीटी सेना का इस पर क्या रुख है? क्या वे भी तुष्टिकरण की राजनीति अपनाएंगे? पिछले 60 सालों में कांग्रेस ने मुस्लिम और दलितों को सिर्फ दबाया है, जबकि हमारा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का एक लक्ष्य रहा है, ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास₹, जिसमें हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने की कोशिश की गई है। कांग्रेस आज सिर्फ लॉलीपॉप देने की राजनीति कर रही है।"

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
दो बजे दोपहर

'अगर कांग्रेस ने ग्रामीण भारत को प्राथमिकता दी होती तो गरीबी कम होती'

नितिन गडकरी का कांग्रेस पर बड़ा आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के चुनावी रण में मोर्चा संभालते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस ने ग्रामीण भारत को प्राथमिकता दी होती तो किसान आत्महत्या नहीं कर रहे होते और गांवों में गरीबी कम होती।

वर्धा में केंद्रीय मंत्री ने की चुनावी जनसभा

वर्धा जिले के अरवी में एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी है और न ही उनकी, बल्कि यह उन कार्यकर्ताओं की पार्टी है जिन्होंने अपना जीवन इसके लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा में पार्टी कार्यकर्ताओं के योगदान की भी सराहना की। इस दौरान नागपुर सांसद और केंद्रीय मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपने दिनों को याद किया, जब वह राज्य के विदर्भ क्षेत्र में पड़ोसी वर्धा जिले में स्कूटर पर सबसे पीछे और तीसरी सीट पर बैठकर जाते थे। यह क्षेत्र महाराष्ट्र के 288 विधायकों में से 62 का चुनाव करता है।

कांग्रेस ने ग्रामीण इलाकों को नहीं दी प्राथमिकता : गडकरी

जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत के 75 साल के इतिहास में कांग्रेस ने कभी भी देश के ग्रामीण इलाकों के विकास को प्राथमिकता नहीं दी। गांवों में सड़कें नहीं थीं और पीने का पानी नहीं था। कांग्रेस ने कभी भी ग्रामीण भारत के विकास के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा। उन्होंने कहा, अगर ग्रामीण भारत को प्राथमिकता मिलती तो किसान आत्महत्या नहीं करते, गांवों में गरीबी नहीं होती।

'हमें अपने काम की बदौलत आगे बढ़ना है'

वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन गडकरी ने आगे कहा कि वह किसी भी तरह के आरक्षण का विरोध नहीं करते, लेकिन राजनीति के लिए कभी भी धर्म और जाति का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं, उन्हें आर्थिक और शैक्षणिक रूप से सक्षम बनने के लिए आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन जातियों की ढाल को आगे रखकर नहीं। उन्होंने कहा, हमें अपने काम की बदौलत आगे बढ़ना है।

रिजिजू ने राहुल गांधी को बताया 'अपरिपक्व'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/पुणे

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को अपरिपक्व बताते हुए तीखा हमला बोला है। रिजिजू ने कहा कि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी 'अपरिपक्व' हैं, और विदेशों में भारत को बदनाम कर कोई भी नेता नहीं बन सकता। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि महायुति गठबंधन 20 नवंबर के महाराष्ट्र चुनाव में आसानी से जीत हासिल करेगा क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के फर्जी विमर्श काम नहीं करेंगे। आपको बता दें कि, भाजपा समर्थित महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल हैं।

बेनकाब हो गए राहुल गांधी- रिजिजू

कांग्रेस नेता द्वारा भाजपा पर लोगों को जाति और समुदाय के आधार पर बांटने के आरोप केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, यह राहुल गांधी ही हैं जो अपने पूरे राजनीतिक करियर में ऐसे कृत्यों में शामिल रहे हैं। रिजिजू ने दावा किया, अब, वह बेनकाब हो गए हैं। हाल में नागपुर में उनके द्वारा संबोधित एक रैली में संविधान की प्रतियां बांटी गई थीं, लेकिन उनके पन्ने खाली थे। इससे वह और भी बेनकाब हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, मैं उनका सम्मान करता हूं क्योंकि वह (लोकसभा में) विपक्ष के नेता के संवैधानिक पद पर हैं। हालांकि, राजनीतिक दृष्टिकोण से, वह अपरिपक्वता प्रदर्शित करते हैं। कांग्रेस ने उन्हें कई बार लॉन्च और रीलॉन्च किया है, लेकिन उनमें अभी भी परिपक्वता की कमी है। उन्होंने कहा, विदेश में भारत को बदनाम कर कोई भी नेता नहीं बन सकता।

वोट जिहाद पर ओवैसी का पलटवार

क्या पीएम के अरब दौरे के समय ऐसी भाषा बोलती है भाजपा : ओवैसी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम मुद्दे राजनीतिक दलों की तरफ से उठाएं जा रहे हैं। वहीं इस कड़ी में एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को भाजपा नेताओं की 'वोट जिहाद' टिप्पणी पर निशाना साधा और पूछा कि क्या वे प्रधानमंत्री के अरब देशों के दौरे के समय भी यही भाषा बोलते हैं।

भाजपा पर मुख्य मुद्दों से ध्यान हटाने का लगाया आरोप

हैदराबाद के सांसद ने सत्तारूढ़ पार्टी पर महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या जैसे मुख्य मुद्दों से ध्यान हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने छत्रपति संभाजीनगर में औरंगाबाद सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाताओं से बातचीत की। बता दें कि एआईएमआईएम ने इस निर्वाचन क्षेत्र से नसीर सिद्दीकी को उम्मीदवार बनाया है, जहां उनका मुकाबला शिवसेना के मौजूदा विधायक प्रदीप जायसवाल और शिवसेना (यूबीटी) के बालासाहेब थोराट से है।

मुंबई पुलिस ने किया दावा : बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बिश्नोई गैंग के निशाने पर था पुणे का एक नेता

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या से जुड़े मामले में खुलासा किया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रडार पर पुणे का एक और नेता था। गैंग उन्हें भी मारने की योजना बना रहा था और अपने शूटरों के जरिए अपराध को अंजाम देने की जिम्मेदारी दी थी।

बिश्नोई गैंग के शूटरों ने बनाए थे दो प्लान

मुंबई क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में पता चला है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद पुणे का एक बड़ा नेता भी बिश्नोई गैंग के रडार पर था। अधिकारी ने कहा, लॉरेंस बिश्नोई गैंग पुणे के नेता को भी मारने की योजना बना रहा था और अपराध को अंजाम देने की जिम्मेदारी प्लान बी में शामिल शूटरों को दी गई थी।

मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में हुआ खुलासा

अधिकारी के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक पिस्तौल बरामद की, जिसका इस्तेमाल अपराध को अंजाम देने के लिए किया जाने वाला था। हालांकि क्राइम ब्रांच ने नेता के नाम का खुलासा नहीं किया है। बिश्नोई गिरोह की साजिश का पर्दाफाश होने के बाद क्राइम ब्रांच ने पुणे पुलिस के साथ इनपुट और जानकारी साझा की।

बहू को कालीन पर सुलाना, टीवी देखने से रोकना क्रूरता नहीं

हाईकोर्ट ने पलटा 20 साल पुराना फैसला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने एक व्यक्ति और उसके परिवार के खिलाफ दिए गए 20 साल पुराने फैसले को पलट दिया। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपनी दिवंत पत्नी के साथ क्रूरता की थी। अदालत ने पाया कि महिला को ताने देने, उसे टीवी न देखने देने, उसे अकेले मंदिर जाने से रोकने और कालीन पर सुलाने के आरोप भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत गंभीर कृत्य नहीं हैं।

निचली अदालत ने ठहराया था परिवार को दोषी

अदालत ने इस बात पर गौर किया कि आरोप मुख्य रूप से घरेलू मुद्दों पर केंद्रित हैं और शारीरिक या मानसिक क्रूरता के स्तर के नहीं हैं। अपने फैसले में अदालत ने व्यक्ति, उसके माता-पिता और उसके भाई को बरी कर दिया। उन्हें निचली अदालत ने क्रूरता और आत्महत्या के लिए उकसाने के लिए आईपीसी की धारा 498ए और 306 के तहत दोषी पाया था। उच्च न्यायालय का यह फैसला निचली अदालत की सजा के खिलाफ उनकी अपील पर आया है।

ससुराल वालों पर क्या आरोप लगाए गए थे?

17 अक्तूबर के आदेश में न्यायमूर्ति अभय एस वाघवासे की एकल-न्यायाधीश की पीठ ने अपीलकर्ताओं के खिलाफ मुख्य आरोपों का विवरण दिया। अपीलकर्ताओं पर आरोप लगाया गया था कि वह भोजन बनाने को लेकर बहू को ताने देते थे, उसके टीवी देखने पर प्रतिबंध लगाया हुआ था, उसे पड़ोसियों के पास या मंदिर जाने से रोका जाता था, उसे कालीन पर सुलाया जाता था और उसे खुद ही कूड़ा फेंकने कहा जाता था।

सुबह डेढ़ बजे की जाती थी पानी की आपूर्ति

परिवार के सदस्यों पर यह भी आरोप था कि वह आधी रात को बहू को पानी लाने के लिए भेजते थे। हालांकि, अदालत ने कहा कि गवाहों की गवाही से पता चलता है कि बहू और उसके ससुराल वाले वरनगांव में रहते थे। पानी आपूर्ति आमतौर पर आधी रात को होती थी और सभी घरों के लोग करीब डेढ़ बजे पानी भरते थे।

पश्चिम रेलवे

एम्बुलेंस किराए पर लेने का अनुबंध

एसीएचडी/एडीएम/जेआरएच ई-निविदा आमंत्रित करता हैः बीआईडी नंबर जीईएम/2024/बी/5 529939 दिनांकः 04.11.2024. जगजीवन राम अस्पताल (JRH), मुंबई सेंट्रल, मुंबई, पश्चिम रेलवे **दो साल के लिए जेआरएच *में एम्बुलेंस सेवा किराए पर लेने के अनुबंध के लिए इच्छुक पक्षों से GeM पोर्टल** पर प्रस्ताव आमंत्रित करता है। निविदा और उसके दस्तावेजों का विवरण *GeM-Govt-eMarket Place पर उपलब्ध है. इच्छुक पक्ष कृपया वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा कर सकते हैं. **कार्य का नामः** जगजीवन राम अस्पताल में दो साल के लिए एम्बुलेंस सेवा किराए पर लेने का अनुबंध. **कार्य की अनुमानित लागतः** 21,90,000/- (सभी शामिल). **ईएमडीः** 41,800/-. **पूरा होने की अवधिः** 24 महीने. **जमा करने की तिथि और समयः** 18.11.2024, 13:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समयः** 18.11.2024 को 13:30 बजे. कृपया निविदा दस्तावेज, शुद्धिपत्र और अन्य विवरण डाउनलोड करने के लिए **GeM साइट (सरकारी ईमार्केट प्लेस)** पर जाएं. 0717

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

आपातकालीन क्रॉस ओवर का प्रावधान

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008 आमंत्रित करता है. **ई-निविदा सूचना संख्याः बीसीटी/24-25/198 दिनांक 07.11.2024 को. कार्य और स्थानः चावलखेड़े** - डीएन लूप को कॉमन लूप में बदलने के लिए यूपी और डीएन मेन लाइन के बीच दोनों तरफ आपातकालीन क्रॉस ओवर का प्रावधान. **कार्य की अनुमानित लागतः** 95,09,878.03. **ईएमडीः** 1,90,200/-. ***जमा करने की तिथि और समयः** 03.12.2024, 15:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समयः** 03.12.2024 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in" **पर जाएं। *मैन्युअल ऑफर पर विचार नहीं किया जाएगा.** 0718

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना संख्या एस/63/2024 दिनांक 07.11.2024

अनु.क्र.	वस्तु का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
716	एयर स्प्रिंग के लिए एक्सल बॉक्स हेलिकल स्प्रिंग	511 नग	05-दिसंबर-20
717	1500 एएमपी क्षमता का सेट	10 सेट	09-दिसंबर-24
718	चेक वाल्व से केबीआई के लिए ओवरहालिंग किट	2292 सेट	10-दिसंबर-24
719	बैटरी बॉक्स का सेट	50 सेट	10-दिसंबर-24
रिवर्स नीलामी			
60	संयोजन SEJ 60Kg/52Kg	235 सेट	05-दिसंबर-24
शुद्धिकरण			

रिवर्स नीलामी के क्रमांक 55 पर निविदा सूचना संख्या एस/57/2024 दिनांक 11.10.2024 के लिए कृपया नियत तिथि को ₹14-11-2024₹ पढ़ें।

विस्तृत नोटिस ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in पर जाएं। 0716

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly. हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

MVA और महायुति खोलेंगी वादों का पिटारा

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी रविवार को अपना घोषणापत्र जारी करेगी। इस मौके पर महाराष्ट्र और दिल्ली के बड़े नेताओं का जमावड़ा मुंबई में लगेगा। बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृहमंत्री सुबह 10 बजे बांद्रा-पूर्व, बीकेसी स्थित सोफीटेल होटल में महायुति का घोषणा जारी करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं अजित पवार सहित बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कई बड़े नेताओं के उपस्थित रहने की संभावना जताई जा रही है।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य - प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल - मुंबई - 400 008

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-PnU-24-12	25.11.2024, 13:00:00

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**PnU-BCT-MMCT-WRL-27-22-1** (Pay and Use - Lounges / Waiting / Retiring / Cloak Rooms)	05 (पांच) वर्षों की अवधि हेतु मुंबई मंडल के मुंबई सेंट्रल (एमएमसीटी) स्टेशन पर क्लोक रूम सेवाओं का नवीकरण, प्रबंधन, अनुरक्षण, संचालन और मैनिंग.	1826	25.11.2024 13:30:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT - ADVTM24 - 23	25.11.2024, 14:00:00

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**MSS-BCT-MMCT-PrKiosk-47-24-1** (Misc-Static-Services - Promotional Kiosk)	3 वर्षों की अवधि हेतु चर्चगेट से विरार (29 स्टेशन्स) तक स्टेशनों/स्थानों पर प्रमोशनल कियोस्क/प्रोडक्ट डिसप्ले के जरिये वाणिज्य विज्ञापन के अनुबंध हेतु ई-नीलामी.	1095	25.11.2024, 14:30:00
2	**MSS-BCT-MMCT-TWnOPS-38-24-1** (Misc-Static-Services - Two wheeler and other parcel packing services)	मुंबई सेंट्रल (एमएमसीटी) स्टेशन के पार्सल कार्यालय में फैसिलिटेशन काउंटर की स्थापना के जरिये दो पहिया और पार्सल/लगेज पैकेजेस हेतु पैकिंग सेवाओं का प्रावधान.	1095	25.11.2024, 14:40:00
3	**MSS-BCT-BDTS-TWnOPS-6-22-1** (Misc-Static- Services - Two wheeler and other parcel packing services)	बांद्रा टर्मिनस स्टेशन के पार्सल कार्यालय में फैसिलिटेशन काउंटर की स्थापना के जरिये दो पहिया और पार्सल/लगेज पैकेजेस हेतु पैकिंग सेवाओं का प्रावधान.	1095	25.11.2024 14:50:00
4	**MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1** (Misc-Static- Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिये चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधायें प्रदान करना.	1826	25.11.2024 15:00:00
5	**MSS-BCT-NSP-MedStn-46-24-1** (Misc-Static- Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिये चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	25.11.2024 15:10:00
6	**MSS-BCT-BOR-MedStn-41-24-1** (Misc-Static- Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु बोईसर रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिये चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	25.11.2024 15:20:00
7	**MSS-BCT-MMCT-MedStn-36-24-1** (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु दहिसर (डीआईसी) रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिये चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	25.11.2024 15:30:00
8	**MSS-BCT-PLG-MedStn-44-24-1** (Misc-Static- Services - Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु पालघर रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिये चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	25.11.2024 15:40:00
9	**MSS-BCT-MMCT-MedStn-35-24-1** (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु माहिम (एमएम) रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिये चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	25.11.2024 15:50:00
10	**MSS-BCT-MMCT-MedStn-37-24-1** (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु डहाणू रोड (डीआरडी) रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिये चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	25.11.2024 16:00:00
11	**MSS-BCT-ST-MedStn-33-24-1** (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि हेतु सूरत रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के जरिये चौबीस घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना.	1826	25.11.2024 16:10:00
12	**MSS-BCT-CCG-SS-42-24-1** (Misc-Static-Services-Salon Services)	चर्चगेट स्टेशन पर यूनिसेक्स सलून सर्विसेस प्रदान करने हेतु एयर कंडीशन्ड सलून कियोस्क के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1095	25.11.2024 16:20:00
13	**MSS-BCT-ADH-SS-43-24-1** (Misc-Static-Services-Salon Services)	आकार 32'x10'= 320 वर्ग फीट के कॉलम नं. 28 और 29 के बीच पश्चिम अपर डेक के उत्तर पश्चिम तरफ, अंधेरी स्टेशन पर यूनिसेक्स सलून सेवाएं प्रदान करने हेतु एयर कंडीशन्ड सलून कियोस्क के विकास, संचालन और अनुरक्षण हेतु ई-नीलामी.	1095	25.11.2024 16:30:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-46	25.11.2024, 15:00:00

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**ADVT-BCT-DIC-OH-53-24-1** (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु, मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के विखंडन और 1156 वर्ग फीट क्षेत्रफल के कुल एरिया के नये स्ट्रक्चर (04 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स) से इसके प्रतिस्थापन के जरिये दहिसर स्टेशन पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 15:30:00
2	**ADVT-BCT-VAPI-OH-40-24-1** (Advertising - Out of Home)	7 वर्षों की अवधि हेतु मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के विखंडन और 1200 वर्ग फीट के डिसप्ले एरिया के कुल डिसप्ले एरिया के साथ नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिये इसके प्रतिस्थापन के जरिये वापी स्टेशन पर उपलब्ध 05 कालबाह्य और रिक्त होर्डिंग्स पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 15:40:00
3	**ADVT-BCT-BOR-OH-56-24-1** (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के विखंडन तथा आकार 20'x10'(1) = 200 वर्ग फीट के नये स्ट्रक्चर्स के साथ इसके प्रतिस्थापन के जरिये बोईसर स्टेशन पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 15:50:00
4	**ADVT-BCT-BVI-OH-364-24-1** (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु आकार 30'x30' (1) = 900 वर्ग फीट के दक्षिणोन्मुख मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के पूर्वी तरफ, बोरीवली स्टेशन उत्तर पूर्व सर्कुलेटिंग एरिया में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर के उत्थापन के जरिये विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 16:00:00
5	**ADVT-BCT-BA-OH-343-24-2** (Advertising - Out of Home)	900 वर्ग फीट आकार के कुल क्षेत्रफल के नये स्ट्रक्चर्स के साथ, बांद्रा पश्चिम सर्कुलेटिंग क्षेत्र में 02 मौजूदा होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के विखंडन और प्रतिस्थापन के जरिये विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार (मीडिया एग्नॉस्टिक).	2557	25.11.2024 16:10:00
6	**ADVT-BCT-NIG-OH-366-24-1** {Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 1600 वर्ग फीट के कुल क्षेत्रफल के आकार 20' x 20' (2) V-आकार के 02 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स - नायगांव आरओबी पर नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिये विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 16:20:00
7	**ADVT-BCT-GTR-OH-352-24-1** (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 600 वर्गफीट के कुल क्षेत्रफल के 20'x20'(1) तथा 20'x10'(1) आकार के 02 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स - ग्रांट रोड स्टेशन पश्चिम सर्कुलेटिंग एरिया में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिये विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 16:30:00
8	**ADVT-BCT-BIY-OH-353-24-1** (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 2560 वर्ग फीट के कुल क्षेत्रफल आकार के 40'x10' (1), 20'x20'(2), 60'x8'(2) बैक टू बैक तथा 10'x20' (2) बैक टू बैक 05 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स - बारडोली स्टेशन पर नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिये विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 16:40:00
9	**ADVT-BCT-BSR-OH-54-24-1** (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु कुल 1000 वर्ग फीट के नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स (05 होर्डिंग स्ट्रक्चर्स) के उत्थापन के जरिये, वसई रोड स्टेशन पर होर्डिंग स्ट्रक्चर्स पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 16:50:00
10	**ADVT-BCT-BVI-OH-365-24-1** (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 20'x20'(1) = 400 वर्ग फीट आकार के, गांजावाला लेन से आनेवाले यातायात और पश्चिमोन्मुख, एसएसई (पी.वे) - बीवीआई के कम्पाउंड में बोरीवली स्टेशन पश्चिम में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिये विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	25.11.2024 17:00:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-47	26-11-24 15:00:00

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**ADVT-BCT- DRD-OSN-197-22-2** (Advertising - On Station Premise (Non- Digital))	कुल 1,920 वर्गफीट के कुल डिसप्ले एरिया युक्त 80 नग बोर्ड्स के जरिये प्लेटफॉर्म्स और फूट ओवर ब्रिजेस पर दहाणू रोड (डीआरडी) स्टेशन्स पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 15:30:00
2	**ADVT-BCT- MDD-OSN- 301-23-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	डिसप्ले बोर्ड्स के जरिये तीन वर्षों की अवधि हेतु एस्केलेटर्स और सीढ़ियों की लैंडिंग्स के पिलर्स पर मालाड (एमडीडी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 15:40:00
3	**ADVT-BCT-MDD-OSN-344-24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	तीन वर्षों की अवधि हेतु मालाड (एमडीडी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 15:50:00
4	**ADVT-BCT- PBHD-OSN- 299-24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	तीन वर्षों की अवधि हेतु प्रभादेवी (पीबीएचडी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 16:00:00
5	**ADVT-BCT- BVI-OSN-359-24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु बोरीवली (बीवीआई) स्टेशन पर प्लेटफॉर्म्स पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 16:10:00
6	**ADVT-BCT-GMN-OSN-362-24-1** (Advertising -On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु बस स्टॉप उन्मुख, स्टेशन भवन के अग्रभाग पर ग्लोसाइन्स हेतु गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पश्चिमी तरफ में थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 16:20:00
7	**ADVT-BCT-JOS-OSN-229-24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	(ए) बोर्ड्स : मात्रा 80 नग तथा डिसप्ले एरिया 1,920 वर्ग फीट तथा (बी) ग्लोसाइन्स : मात्रा 60 नग और डिसप्ले एरिया 360 वर्ग फीट (सी) डिजिटल स्क्रीन 01 नग और डिसप्ले एरिया 35 वर्ग फीट के जरिये विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु तीन वर्षों की अवधि हेतु 2315 वर्ग फीट के कुल डिसप्ले एरिया के साथ फूट ओवर ब्रिजेस पर जोगेश्वरी (जेओएस) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 16:30:00
8	**ADVT-BCT-MM-OSN-189-24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	(ए) बोर्ड्स : मात्रा 106 नग और डिसप्ले एरिया 3,024 वर्ग फीट और (बी) ग्लोसाइन्स : मात्रा 50 नग और डिसप्ले एरिया 300 वर्ग फीट के जरिये तीन वर्षों की अवधि हेतु प्लेटफॉर्म और फूट ओवर ब्रिजेस पर माहिम (एमएम) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 16:40:00
9	**ADVT-BCT-MX-OSN-297-24-1** (Advertising -On Station Premise (Non-Digital))	तीन वर्षों की अवधि हेतु महालक्ष्मी (एमएक्स) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-2024 16:50:00
10	**ADVT-BCT- NSP-OSN- 328-24-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	3 वर्षों की अवधि हेतु नालासोपारा (एनएसपी) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार	1095	26-11-2024 17:00:00
11	**ADVT-BCT-AN-OSN-193-22-1** (Advertising - On Station Premise (Non- Digital))	(ए) बोर्ड्स : मात्रा 10 नग और डिसप्ले एरिया 180 वर्ग फीट के जरिये तीन वर्षों की अवधि हेतु प्लेटफॉर्म पर अमलनेर (एएन) स्टेशन पर थोक विज्ञापन अधिकार.	1095	26-11-24 17:10:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-24-48	27.11.2024, 15:00:00

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**ADVT-Int-S1-ACEMULED6-324-23-1** (Advertising - Train Interior)	एसी ईएमयू रेक्स के भीतर, डिजिटल स्क्रीन्स के अधिष्ठापन, अनुरक्षण और संचालन के जरिये विज्ञापन के लिये ई-नीलामी.	1826	27.11.2024, 15:30:00
2	**ADVT-Int-S1-EMU73RM-363-24-1** (Advertising - Train Interior)	05 वर्षों की अवधि हेतु पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में 73 नग ईएमयू में रूट मैप्स के जरिये विज्ञापन का प्रदर्शन, (ए) नॉन-एसी ईएमयू : 69 नग, 12 कार्स, कुल कोचेस 828 नग तथा डिसप्ले एरिया 410.67 वर्ग मीटर्स, (बी) नॉन एसी ईएमयू : 4 नग, 15 कार्स, कुल कोचेस 60 नग तथा डिसप्ले एरिया 29.75 वर्ग मीटर्स, कुल योग : 73 नग, ईएमयू, कुल कोचेस 888 नग और कुल डिसप्ले एरिया 440.42 वर्ग मीटर्स.	1826	27.11.2024, 15:40:00
3	**ADVT-BCT-MEL-OSD-355-24-1** (Advertising - On Station Premise (Digital))	5 वर्षों की अवधि हेतु मरीन लाइंस (एमईएल) स्टेशन भवन पर एलईडी स्क्रीन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	27.11.2024, 15:50:00
4	**ADVT-BCT-GMN-OSD-360-24-1** (Advertising - On Station Premise (Digital))	5 वर्षों की अवधि हेतु गोरेगांव (जीएमएन) स्टेशन पर वीडियोवॉल के अधिष्ठापन और संचालन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	27.11.2024, 16:00:00
5	**ADVT-BCT-ADH-OSD-310-23-1** (Advertising - On Station Premise (Digital))	अंधेरी (एडीएच) स्टेशन पर एलईडी वीडियोवॉल्स हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	27.11.2024, 16:10:00

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. **0714**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

संपादकीय

हरियाणा की विफलता

अतीत में भी हरियाणा का लिंग अनुपात असंतुलन राज्य के लिये असहज करने वाली स्थिति ही रही है। कालांतर सरकार के प्रयासों व जन जागरूकता के चलते स्थिति में कुछ सुधार आया था। लेकिन एक बार फिर परेशान करने वाली हकीकत सामने आई है। दरअसल, वर्ष 2023 की तुलना में इस साल के दस महीनों की अवधि यानी जनवरी से अक्तूबर के बीच जन्म के समय लिंग अनुपात में ग्यारह अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि जिस राज्य को लगभग एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख रूप से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू करने के लिये चुना, वहां जन्म के समय लिंग अनुपात में फिर गिरावट दर्ज की गई है। लंबे समय से लिंग असंतुलन से जूझ रहे इस राज्य को एक बार फिर चिंताजनक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में जब इस साल के सिर्फ दो महीने की बाकी हैं, स्थिति में अधिक बदलाव की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। जैसे कि हालात हैं इतने कम समय में बड़ा बदलाव संभव नहीं है। तो इसे पिछले आठ वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट के रूप में देखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में जन्म के समय का लिंगानुपात वर्ष 2015 में 876 से बढ़ने पर आशातीत परिवर्तन की शुरूआत हुई थी। इसी साल 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत भी की गई थी। कालांतर सरकारी प्रयास और जन भागीदारी से इस दिशा में आशातीत परिणाम सामने आए। जिसके चलते वर्ष 2019 में लिंगानुपात 923 के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक जा पहुंचा था। लेकिन हाल के वर्षों में इसमें फिर गिरावट देखी जा रही है। जो तंत्र को आत्ममंथन को बाध्य करती है कि इस गिरावट के तात्कालिक कारण क्या हो सकते हैं। यह भी एक हकीकत है कि सकारात्मक बदलाव सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही संभव नहीं। इसके लिये समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना नितांत जरूरी हो गया है। यह भी एक हकीकत है कि हरियाणा में लिंग अनुपात में आई गिरावट कहीं न कहीं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता की ओर इशारा करती है। ऐसे कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिये जरूरी है कि बालिकाओं के जन्म को लेकर समाज में प्रगति की सोच विकसित की जाए। जिसका मकसद हो कि समाज में बालिकाओं के जन्म और अधिकारों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन लाया जाए। लोग बेटियों को लेकर किसी तरह की असुरक्षा महसूस न करें। मौजूदा स्थितियों को देखकत तो ऐसा लगता है कि हमारा तंत्र कन्या भ्रूण हत्या संकट खत्म करने के लक्ष्यों से अभी भी काफी दूर है। वहीं दूसरी ओर लिंग निर्धारण परीक्षणों में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों की संख्या में इस साल आई चिंताजनक गिरावट कानून प्रवर्तन और स्वास्थ्य एजेंसियों की कार्यशैली पर एक सवालिया निशान भी है। निस्संदेह, भ्रूण हत्या जैसे कृत्य करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से किसी भी स्तर पर चूक नहीं की जानी चाहिए। एक और बड़ी चुनौती समाज में गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता को बदलने की भी है। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि लिंगानुपात में विषमता उस राज्य के लिये शर्मिंदगी की ही बात है, जिसकी तमाम महिला खिलाड़ी, विशेष रूप से महिला पहलवान, महिला निशानेबाज और महिला मुक्केबाज अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में धूम मचा रही हैं। ऐसे वक्त में जब हाल ही में डबल इंजन सरकार को राज्य के लोगों ने लगातार तीसरी बार सकारात्मक परिवर्तन के लिये चुना है, उसका भी दायित्व बनता है कि तंत्र की कारगुजारियां समाज में बदलाव की वाहक बनें। इन हालात में हरियाणा को हमेशा लैंगिक समता के क्षेत्र में पिछड़ने के बजाय बेटियों का जश्न मनाने में अग्रणी रहना चाहिए। तभी हम एक ऐसे समाज की स्थापना करने में सक्षम हो सकते हैं जहां बेटे व बेटी में किसी भी स्तर का भेदभाव न हो। जन जागरण इसमें रचनात्मक भूमिका का निर्वाह कर सकता है।

शख्सियत | सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

संविधानवादी योद्धा और शिक्षाविद

सर सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, जिन्हें अक्सर ₹भारत के महान व्यक्ति₹ के रूप में जाना जाता है, एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता, शिक्षक और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के शुरुआती वास्तुकारों में से एक थे। 10 नवंबर, 1848 को कोलकाता (तब कलकत्ता) में जन्मे बनर्जी ने ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीयों में राजनीतिक चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, बनर्जी भारतीय सिविल सेवा (ICS) परीक्षा देने के लिए इंग्लैंड गए। हालाँकि वे शुरू में सफल रहे, लेकिन नस्लीय भेदभाव के कारण उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया, एक ऐसा अनुभव जिसने ब्रिटिश अन्याय के खिलाफ लड़ने के उनके संकल्प को और मजबूत किया। भारत लौटने पर, उन्होंने खुद को भारतीय स्वशासन और भारतीयों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। 1876 में, बनर्जी ने भारतीय राष्ट्रीय संघ की स्थापना की, जो सामाजिक और राजनीतिक सुधार के लिए भारतीयों को संगठित करने के उद्देश्य से पहला राजनीतिक संगठन था। यह संगठन बाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय हो गया, जहाँ बनर्जी उदारवादी राजनीति के लिए एक अग्रणी आवाज़ के रूप में उभरे, उन्होंने संवैधानिक साधनों और ब्रिटिश अधिकारियों के साथ संवाद की वकालत की। उनके उदारवादी रुख ने उन्हें शुरुआती कांग्रेस नेताओं के बीच एक सम्मानित स्थान दिलाया, और उन्होंने 1895 और 1902 में दो बार कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। बनर्जी ने शिक्षा में भी बहुत योगदान दिया, भारतीयों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कोलकाता में रिपन कॉलेज (अब सुरेन्द्रनाथ कॉलेज) की स्थापना की। उनका मानना था कि शिक्षा एक प्रगतिशील समाज की आधारशिला है और औपनिवेशिक शासन के तहत भारतीयों के लिए आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान हासिल करने का एक साधन है। उनके योगदान के सम्मान में, उन्हें 1921 में नाइट की उपाधि दी गई। अपने मजबूत राष्ट्रवाद के बावजूद, वे कट्टरपंथी तरीकों के बजाय क्रमिक सुधारों में विश्वास करते थे, जो कभी-कभी उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के अधिक उग्रवादी गुटों के साथ विवाद में डाल देता था।

सुरेन्द्रनाथ बनर्जी की विरासत भारतीय स्वशासन के संघर्ष में उनकी अग्रणी भूमिका, संवैधानिक तरीकों पर उनके जोर और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण में निहित है। उनके प्रयासों ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की नींव रखी, जिससे भावी पीढ़ियों के नेताओं को एक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर भारत का अनुसरण करने की प्रेरणा मिली। 6 अगस्त, 1925 को उनका निधन हो गया, लेकिन वे भारत की स्वतंत्रता की यात्रा में एक सम्मानित व्यक्ति बने रहे।

डाना से स्पेन में हुई तबाही के सबक

क्या आपने डाना का नाम सुना है डाना का जलवायु परिवर्तन से क्या रिश्ता है। धरती के लगातार गर्म होने से बड़े पैमाने पर जो तबाही हो रही है उसका एक परिणाम है डाना। स्पेन ने इसकी विभीषिका को झेला। सैकड़ों जानें गई हैं, संपत्ति का भीषण नुकसान हुआ। भूमध्य सागर का एक सिस्टम है डाना। समुद्र के ऊपर की हवा गर्म है और उत्तर से ठंडी हवा आती है, जिससे चक्रवात सरीखा उठता है और आसपास के इलाके में भीषण तबाही फैलाता है। इसमें चूंकि जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र के ऊपर की हवा जरूरत से ज्यादा गर्म हो जाती है, लिहाजा उत्तर से आने वाली ठंडी हवा पूरे इलाके में बड़ा डिस्टर्बेंस पैदा करती है। स्पेन इसी का शिकार हुआ। डाना की वजह से अचानक इतनी भीषण बारिश और बाढ़ आ गई—जिससे बचना किसी के बस में नहीं था। दुनिया के कई देश इसी तरह की चरम मौसमी घटनाओं को झेल चुके हैं। स्पेन में भीषण तबाही से जो डरावना मंजर देखने को मिला, उससे पूरा यूरोप सदमे में है। पलक झपकते जिस तरह से 200 से अधिक जानें काल के गाल में समा गईं, उसने जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरे की विभीषिका के बारे में सबको सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले एक दशक से जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया ने भीषण तबाही—कभी बाढ़, कभी सूखे, कभी प्रलयकारी चक्रवाती तूफानों को देखा है। इसके बाद जिस तरह से इराक में बाढ़ आई और सऊदी अरब में बर्फबारी हुई—उसने बता दिया है कि प्राकृतिक तबाही का यह सिलसिला अभी और ढ़ने जा रहा है। स्पेन के वेलेंसिया शहर में तीन घंटे के भीतर एक साल की बारिश हो गई। इसकी कल्पना बुरे से बुरे दुस्वप्न में भी कोई नहीं कर सकता था। विनाश आसमान से बारिश के रूप में आया—जिसने तुरंत ही सारी नदियों-नालों में उफान ला दिया और वे जीवन को बहा ले गए। इस तबाही का सीधा रिश्ता है जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज से। जलवायु परिवर्तन के लिए मनुष्य ही जिम्मेदार है। हम अपनी करतूतों से लगातार धरती का तापमान गरम कर रहे हैं और इसी के नतीजों के रूप में हमारे सामने स्पेन जैसी विभीषिका आ रही है।

डाना कैसे बाकी जलवायु संबंधी गड़बड़ियों से अलग है, इसके बारे में यूनिवर्सिटी ऑफ एलिकांटे में क्लाइमेटोलॉजी के निदेशक डॉर्ज ऑलिसना का कहना है कि डाना में हवाएं हरिकेन (तूफान-चक्रवात) की तरह तेज नहीं होती, लेकिन तबाही उससे ज्यादा मचा सकती हैं क्योंकि इसमें भयानक तीव्रता के साथ बारिश होती है, जो कुछ ही घंटों में नदी-नाले-तालाब में उबाल ला देती है। फ्लैश फ्लड यानी अचानक आई बाढ़ से किसी को भी संभलने का मौका नहीं मिला। इंफ्रास्ट्रक्चर मिनटों में बैठ जाता है और बचाव के लिए समय नहीं मिलता। डाना का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है और ऐसा जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा है। भूमध्य सागर लगातार गर्म हो रहा है। अगस्त में यहां अब तक का सबसे अधिक तापमान रिकार्ड किया गया था।

स्पेन की सरकार ने इसे यूरोप की दूसरी सबसे जानलेवा बाढ़ कहा है। इससे पहले 1967 में पुर्तगाल में भीषण बाढ़ आई थी, जिसमें 500 से अधिक लोग मारे गये थे। स्पेन में 1967 के बाद इस तरह की बाढ़ आई है। कम समय में पूरे साल भर की बारिश ने लोगों को बचाव का मौका ही नहीं दिया। स्थिति की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वेलेंसिया में तो पूरे साल भर की बारिश आधे दिन में ही हो गई। चीवा इलाके में आठ घंटे के अंदर ही 20 इंच की बारिश हुई। जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ा कि तूरिया नदी में बाढ़ आ गई और पानी वेलेंसिया शहर में पूरे वेग के साथ घुस गया। इस बाढ़ में पुल नष्ट हो गए, लोग संपर्क से कट गए और भोजन, पानी या बिजली के बिना रह गए। हाहाकार मच गया। जो जहां था वहीं फंस गया। ऐसा लग रहा था कि शहर से ही नदी गुजर रही हो। सैकड़ों लोगों की जानें गई और संपत्ति तबाह हुई। कारों के तैरने और उसमें लोगों के फंसे होने का नजारा दिल-दहलाने वाला था। फंसे हुए लोग मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन पानी का वेग इतना तेज था कि कोई कुछ नहीं कर पाया।मदद के लिए सेना के जवानों को उतारा गया है। शांतिकाल में सेना को इतने बड़े ऑपरेशन में लगाना बहुत कम

भाषा सिंह

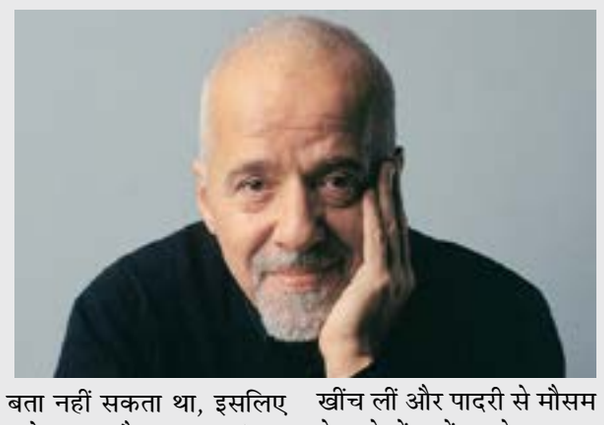

ही होता है। पूरी तरह से तबाह बर्बाद शहर को कीचड़-गंदगी-लाशों से मुक्त करने के लिए स्पेन के इतिहास का सबसे बड़ा पीसटाइम मिलिट्री ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें 7500 सैनिकों को उतारा गया। बाढ़ से प्रभावित इलाक़ों में हज़ारों सुरक्षा और आपातकालीन सेवाकर्मी मृतकों की तलाश में मलबे और कीचड़ को हटाने में लगे। दुख की इस घड़ी में लोग एक-दूसरे के साथ खड़े नजर आए। पीड़ितों की मदद करने के लिए स्पेन के नागरिकों ने अभूतपूर्व मानवता का परिचय दिया। वे लाइनों में लग कर वेलेंसिया जाने और राहत सामग्री बांटने, सफाई करने के लिए मुस्तैद दिखाई दिये। ये तस्वीरें बेहद राहत देने वाली थी। वेलेंसिया शहर के संग्रहालय की इमारत में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक बाल्टियां, पोछा, भोजन और पानी लेने के लिए लाइन में खड़े थे। जितनी तेजी से स्पेन के नागरिकों ने खुद को मदद के लिए पेश किया वह भारत जैसे बाकी देशों के लिए सबक होना चाहिए। यहां वे सारे काम कर रहे थे—कचरा साफ करने से लेकर सड़कों-मकानों की मरम्मत तक। खाना-पानी लाइट का इंतजाम करने में भी स्पेन के नागरिक पीछे नहीं रहे। पहले ही दिन 15 हजार वॉलेंटियर तैनात हो गए थे।

बड़ा सवाल यह है कि स्पेन के वेलेंसिया और उसके आसपास के इलाके को अचानक जिस तबाही ने बर्बाद किया, क्या उससे बचा जा सकता था। क्या यह इस शहर का, इस शहर में हुए निर्माण या विकास कार्यों का दोष था कि इतनी बड़ी तबाही का शिकार होना पड़ा। बिल्कुल भी नहीं। इस तबाही की वजह स्पेन और उसका शहर वेलेंसिया नहीं थे। धरती लगातार गर्म हो रही है और इसका नुकसान सबको उठाना ही पड़ रहा है। स्पेन के बाद साइप्रस, सऊदी अरब आदि जगहों पर ही मौसम की मार झेलनी पड़ी। असमय बारिश, बर्फबारी ने जीवन को तबाह करने में कोई कसर नही छोड़ी है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन की जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनदेखी हो रही है—वह खतरनाक है। अमेरिका जैसे बाकी देश जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी दुष्प्रभावों की रोकथाम करने के लिए कोई भी ठोस कदम उठाने से इनकार कर देते हैं। इसकी वजह से धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और दुनिया भर को तबाही भरी प्राकृतिक आपदाओं को झेलना पड़ रहा है। छोटे-छोटे द्वीप समूहों के लिए तो अस्तित्व का खतरा पैदा हो गया है—समुद्ध का जलस्तर बढ़ते ही वे डूब जाएंगे। लेकिन उनकी व्यथा को पूरी तरह से नजरंदाज किया जा रहा है। क्या स्पेन में हुई ये तबाही-इन विकसित देशों को जगा पाएगी और क्या वे इस दिशा में ठोस कदम उठाएंगे ? यह कदम दुनिया को बचाने की दिशा में उठा कदम होगा।

जीवन मंत्र

पाउलो कोएल्हो

धारा से कटकर जीना

एक बेहद सर्द रात फादर जुआन के घर आए। जुआन ने मन ही मन सोचा कि यह मुझे फिर से चर्च आने के लिए मनाने आए होंगे। चर्च न आने की असली वजह (उबाऊ प्रवचन) वह बता नहीं सकता था, इसलिए उसे कुछ और बहाना ढूंढ़ना पड़ा।

जुआन अपनी बस्ती के चर्च की सेवाओं में हर रविवार को हिस्सा लेता था। लेकिन आहिस्ता-आहिस्ता उसे यह महसूस हुआ कि फादर हमेशा एक ही बात करते हैं, इसलिए उसने चर्च जाना बंद कर दिया। लगभग दो महीने बीते होंगे। एक बेहद सर्द रात फादर जुआन के घर आए। जुआन ने मन ही मन सोचा कि यह मुझे फिर से चर्च आने के लिए मनाने आए होंगे। चर्च न आने की असली वजह (उबाऊ प्रवचन) वह

बता नहीं सकता था, इसलिए उसे कुछ और बहाना ढूंढ़ना पड़ा। जुआन ने सुलगती अंगीठी के पास दो कुरसियां खींच लीं और पादरी से मौसम के बारे में बातें करने लगा। पादरी ने कुछ नहीं कहा। बातचीत आगे बढ़ाने की कुछ नाकाम कोशिशों के बाद आखिरकार जुआन भी चुपचाप बैठ गया। वे दोनों लगभग आधे घंटे तक एक-दूसरे से बिना कुछ बोले बस आग को निहारते रहे। फिर फादर उठे, और एक टहनी की मदद से, जो अभी तक पूरी जली नहीं थी, एक अंगारे को खींचकर उसे आग से दूर कर दिया। जलने के लिए पर्याप्त ताप न मिलने के कारण अंगारा बुझने लगा। जुआन ने तुरंत उसे वापस फिर से आग के बीच धकेल दिया।

शुभ रात्रि कहते हुए फादर जाने को उठ खड़े हुए। जुआन ने भी उनके अभिवादन में 'आपका बहुत शुक्रिया और शुभ रात्रि कहा।' चलते-चलते पादरी ने कहा, अंगारा चाहे कितना ही चमकीला क्यों न हो, आग से अलग होकर वह जल्दी बुझ जाएगा। मनुष्य चाहे जितना भी चतुर क्यों न हो, अपने पड़ोसियों से दूर रहकर वह अपनी ऊर्जा और अपने भीतर की आग को कभी नहीं बचा सकेगा!

जीवन ऊर्जा

फ्रीडरिख शिलर: जन्म 10 नवंबर 1759 | जन्म

फ्रीडरिख शिलर एक महान जर्मन नाटककार, कवि और दार्शनिक थे जिनका जन्म 10 नवंबर 1759 को हुआ था और निधन 9 मई 1805 को हुआ। उन्होंने अपने लेखन में स्वतंत्रता, मानवीय गरिमा और न्याय पर गहरा चिंतन किया। उनकी रचनाएँ आज भी साहित्य और दर्शन में महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

कला स्वतंत्रता की संतान है

स्वतंत्रता केवल आत्म-नियंत्रण के साथ ही अस्तित्व में रह सकती है। जो बहुत अधिक विचार करता है, वह बहुत कम कार्य करेगा। मांस और रक्त नहीं, बल्कि दिल हमें पिता और पुत्र बनाता है। ग्रहणशीलता स्वतंत्रता के प्रभाव में सौंदर्य है। सबसे मजबूत व्यक्ति अकेला होने पर सबसे मजबूत होता है। मूर्खता के खिलाफ देवता भी व्यर्थ संघर्ष करते हैं। मानवता की गरिमा आपके हाथों में है इसे सुरक्षित रखें। मनुष्य अपने ही संकल्प द्वारा महान या छोटा बनता है। अपने युग के साथ जिएं लेकिन उसके दास न बनें। हर सच्चा प्रतिभाशाली व्यक्ति सरल होता है। कला स्वतंत्रता की संतान है। अपने आपको किसी दूर समय में न खोएं वह क्षण थामें जो आपका है।ईमानदारी जीवन की हर अवस्था में समृद्ध होती है। बहुमत

की आवाज़ न्याय का प्रमाण नहीं होती। निराशाएँ आत्मा के लिए वही होती हैं जो वायुमंडल के लिए तूफान। यहां तक कि कमजोर भी मजबूत बन जाते हैं जब वे एकजुट होते हैं।प्यार का जुनून मन को महानता की ओर ले जाता है और उसे नीच चीजों से ऊपर उठाता है। जो खुश है वह नफरत नहीं करता।गलतियाँ करने और सपने देखने का साहस रखें गहरे अर्थ अक्सर बचपने में छिपे होते हैं। हमारे कार्य हमें निर्धारित करते हैं जितना कि हम अपने कार्यों को।शक्ति सबसे प्रभावी भाषण है।जिसने अपने समय के लिए सर्वश्रेष्ठ किया है उसने सभी समयों के लिए जी लिया है। एक महान हृदय दोस्ती के लिए बहुत कुछ त्याग देता है। जिसने कभी निराशा का अनुभव नहीं किया उसके जीने की कोई जरूरत नहीं थी। बुद्धिमानों के लिए सत्य और संवेदनशील हृदय के लिए सौंदर्य होता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सिद्धांतों पर चलना जीवन का एक बहुत बड़ा गुण

सिद्धांतों पर चलना भी जीवन का एक बहुत बड़ा गुण हैजिस जीवन में सिद्धांत नहीं हैं वो जीवन कभी भी श्रेष्ठ एवं एक आदर्श जीवन नहीं बन सकता है जीवन में एक बात हमेशा स्मरण रखना कि सिद्धांतों पर चलकर हारनाझूठ के दम पर जीतने से कई गुना श्रेष्ठ है। सिद्धांत अर्थात सत्य का पथ श्रेष्ठता का पथ और शास्त्रानुकूल पथहमारे महापुरुषों ने हारना स्वीकार किया पर सिद्धांतों का त्याग नहीं किया

सत्य का पथ सुगम तो नहीं होता लेकिन श्रेष्ठ अवश्य होता है पगपग में आपकी परीक्षाएं होंगीकदम-कदम पर आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा अनेक मुश्किलों से आपको गुजरना पड़ेगाअनेक अटकलों से आपको जूझना पड़ेगा फिर एक समय बाद वो स्थिति भी अवश्य आयेगी जब दूसरे लोगों के लिए आपका जीवन एक उदाहरण होगाजीतने से भी सिद्धांतों पर चलना अधिक महत्वपूर्ण है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

गलती से सीख लेकर आगे बढ़ें मिलेगी सफलता

इंसान जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए बहुत मेहनत करता है। लेकिन जब वह सफल नहीं हो पता है तो निराश हो जाता है, मेहनत करना छोड़ देता है। इस बात को अगर दूसरे नजरिए से देखा जाए तो हमारे जीवन में आने वाली असफलताएं हमें तजुर्बा देती हैं और गलतियां करने से बचाती हैं। इसलिए इंसान को कभी मायूस नहीं होना चाहिए, उसे मेहनत करते रहना चाहिए। एक दिन ऐसा आएगा कि मेहनत का फल सफलता में बदल जाएगा। ऐसी ही कहानी है रोहित की। रोहित ने बड़े उत्साह से परीक्षा की तैयारी की। इसके बावजूद वह टॉप नहीं कर पाया और वह बहुत उदास व निराश रहने लगा। असफलता के गम में उसने पहले की तरह प्रयास करना छोड़ दिया। रोहित की इस परेशानी का पता जब उसके अध्यापक को पता लगा, जो उसके मार्गदर्शक थे तो उन्होंने एक दिन उसे अपने घर बुलाया। उन्होंने रोहित से परेशानी की वजह पूछी। रोहित ने उन्हें बताया की 'उसने दिन रात मेहनत की पर जैसा वो चाहता था वैसे नतीजे नहीं आए इसलिए वो हताश हो चुका है। रोहित की बात सुनने के बाद अध्यापक ने उसे अपने साथ बगीचे में चलने के लिए कहा। वो उसे टमाटर के पौधों के पास ले गए और बोले की इस टमाटर के इस खराब और मरे हुए पौधे को देखो।जब मैंने इस पौधे को बोया था तो मैंने इसे समय-समय पर सही मात्रा मे पानी दिया, खाद भी डाली और कीटनाशक का छिड़काव भी किया, पर फिर भी यह खराब हो गया। तो क्या?, रोहित बोला। इतनी सारी मेहनत, इतना पैसा और समय देने के बाद भी अगर जैसा रिजल्ट हम चाहते हैं वो न मिल पाए तो इतना सब कुछ करने से क्या फायदा है।

अध्यापक बोले ऐसा नहीं है और उन्होने एक दरवाजे की तरफ इशारा करते हुए कहा की एक बार जरा इस दरवाजे को खोल कर देखो। रोहित ने दरवाजे को खोला और देखा की सामने बड़े-बड़े टमाटरों के ढेर पड़े हुए थे। उसने पूछा की, ये सब कहां से आए? अध्यापक बोले, टमाटर के एक पौधे के खराब होने का मतलब यह नहीं है कि सभी पौधे खराब हो गए। इसी तरह तुमने मेहनत तो की पर टॉप नहीं कर पाए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की तुम्हारी दिन रात की मेहनत खराब गई और तुम असफल हो गए। परीक्षा देते समय कई चीजें मायने रखती हैं, जिसमें लिखने की स्पीड, तबीयत, मनोस्थिति और भी बहुत कुछ जो सिर्फ मेहनत का पैमाना नहीं है। जो तुमने सीखा वो जिंदगी के हर मोड़ पर काम आएगा । मेहनत करने के बावजूद मनचाहा न मिलने का मतलब यह नहीं है की आप असफल हो गए। इसका मतलब है की आपने सफलता तक पहुचने की एक और सीढ़ी चढ़ी है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

कॉप-29-बाकू में जलवायु वित्त का समाधान निकालना मुश्किल

बाकू। अजरबैजान के बाकू में सोमवार से शुरू हो रही जलवायु वार्ता कॉप-29 पर दुनिया की निगाहें टिकी हैं। छोटे और गरीब देशों की उम्मीदें भी बैठक को लेकर हैं क्योंकि इसमें जलवायु खतरों से निपटने के लिए नए कोष के आकार पर निर्णय होना है, लेकिन मौजूदा समय में दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे संघर्षों और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद यह आशंका है कि जलवायु वित्त की राह में अड़चन पैदा हो सकती है।

संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना कुछ लोगों का शगल: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना और लोगों को उपदेश देना तेजी से एक शगल बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि वे भी जो राजनीतिक क्षेत्र में संवैधानिक रूप से अहम हैं, सभी को उपदेश दे रहे हैं और हमारी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने एक शैक्षणिक संस्थान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अब इसे समाप्त करने का समय आ गया है। उन्होंने शैक्षिक तंत्र को मजबूत करने में पूर्व छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी बात की। उन्होंने पूर्व छात्रों से अपने-अपने संगठनों में सक्रिय भागीदारी और योगदान का आग्रह किया।

जम्मू में 5 हजार ड्रग्स कैप्सूल के साथ युवक गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने शनिवार को जम्मू के आईएसबीटी नरवाल के पास से ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम विशाल शर्मा है और वो ओल्ड जानीपुर इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि विशाल के पास 5 हजार ड्रग्स कैप्सूल बरामद हुए हैं। NDPS अधिनियम के तहत उसके खिलाफ केस किया गया है। मामले में आगे का एक्शन लिया जा रहा है।

मणिपुर में उग्रवादियों ने महिला की गोली मारकर हत्या की

बिष्णुपुर। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में शनिवार को संदिग्ध पहाड़ी उग्रवादियों ने धान के खेतों में काम कर रही एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक घटना सैटन इलाके में हुई। महिला अन्य किसानों के साथ फसलों की देखभाल कर रही थी। तभी उग्रवादियों ने पहाड़ी से गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद से इलाके में तनाव है। वहीं, लोगों ने आरोप लगाया है कि यहां तैनात केंद्रीय बल ऐसे हमलों को रोकने के लिए कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

मनी हीस्ट का प्रोफेसर बनकर की लाखों की ठगी

नई दिल्ली। कुछ सालों पहले एक स्पेनिश वेबसीरीज मनी हीस्ट का काफी बज बना हुआ था। उसमें एक प्रोफेसर के किरदार ने लोगों पर अपनी छाप छोड़ी थी और अपना फैन बनने पर मजबूर कर दिया था। प्रोफेसर ने एक रणनीति के तहत आठ लोगों को तैयार करके एक असंभव लूट को अंजाम दिलाया था। ऐसा ही एक प्रोफेसर साइबर ठगी के मामले में भी सामने आया है। दरअसल, एक व्यक्ति ने झूठ और फरेब का जाल बुनकर न जाने कितने ही लोगों को फंसाकर उनसे साइबर ठगी की।

देश में खराब मौसम ने ली 3 हजार से ज्यादा लोगों की जान

किसानों को भी हुआ बड़ा नुकसान

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में इस साल बदलते मौसम के मिजाज ने कई लोगों की जान ले ली है। कभी भीषण गर्मी का कहर दिखा तो कहीं भारी बारिश या भयंकर सूखा पड़ा, तो वहीं कई आंधी-तूफान देखा गया। इस वजह से 3,238 मौतें हुईं 32 लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई और 2.36 लाख लोगों के घर टूटे। बता दें पिछले साल इस दौरान 235 चरम मौसमी घटनाओं में 2,923 और 2022 में 241 चरम घटनाओं में 2,755 जानें गई थीं।

सीएसई की रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारी

सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक 176 एक्सट्रीम वेदर (बुरे मौसम) वाले दिन मध्य प्रदेश में दर्ज हुए। मौसमी घटनाओं से सबसे ज्यादा 550 लोगों की मौत केरल में हुई। आंध्र में सबसे ज्यादा सर्वाधिक 85,806 मौते हुई हैं और रिपोर्ट के मुताबिक, सब राज्यों में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा बर्बाद हुईं। ये देशभर में फसलों को हुए कुल नुकसान का 60% है। सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट (सीएसई) की 'स्टेट ऑफ एक्सट्रीम वेदर इन इंडिया 2024' रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं।

हीटवेव से 77 लोगों की गई जान

सीएसई की महानिदेशक सुनीता नारायण ने कहा कि जो घटनाएं पहले सदियों में एकाध बार होती थीं, वे अब हर पांच साल में हो रही हैं। साल-दर-साल उनकी फ्रीक्वेंसी बढ़ रही है। समाज के सबसे संवेदनशील तबके को इसका सबसे अधिक असर अपनी जानमाल खोकर भुगतना पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल में हीटवेव की 77 घटनाएं हुईं और यह लगातार तीसरा साल रहा, जब हीटवेव गर्मी के एक मौसम में 50 दिन से ज्यादा चली। 2024 में जनवरी से सितंबर के बीच एक्सट्रीम वेदर की घटनाओं के दिन 2023 के मुकाबले 20 ज्यादा रहे।

नौ महीनों में 235 दिन रहा सबसे खराब मौसम

पिछले साल की तुलना में साल 2023 के पहले नौ महीनों में 273 दिनों में से 235 दिन खराब मौसम दर्ज किया गया था। इसमें 2,923 मौतें दर्ज की गई थीं। 1.84 मिलियन हेक्टेयर फसलें प्रभावित हुईं थीं। एक साल पहले यानी साल 2023 में 80,293 घर क्षतिग्रस्त हुए थे। 92,519 पशु मारे गए थे।

साल के इन दो महीने में था बुरा हाल

देश के उत्तर-पश्चिम हिस्से में जनवरी ऐसा महीना है, जो सबसे ज्यादा सूखा रहा। जुलाई में इस क्षेत्र का दूसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। दक्षिणी प्रायद्वीप में रिकॉर्ड पर सबसे गर्म फरवरी का अनुभव हुआ। इसके बाद मार्च और अप्रैल में असाधारण रूप से गर्मी और लू जैसे हालात थे। वहीं, जुलाई के महीने में 36.5 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। अगस्त में दूसरा सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

हरियाणा में कांग्रेस को किसने हराया

8 सदस्यीय कमेटी ने मंथन कर खोज लिया दोषी

एजेंसी । चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार का कारण जानने के लिए आठ सदस्यीय कमेटी ने आज दिल्ली में मंथन किया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान और प्रदेश के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल ने की। इस बैठक में न केवल विधानसभा चुनाव, बल्कि लोकसभा चुनाव हारने वाले कांग्रेस प्रत्याशियों ने हिस्सा लिया। खास बात है कि कुमारी सैलजा के गुट से दो विधायकों ने इस बैठक से दूरी बनाए रखी। बैठक संपन्न होने के बाद सह प्रभारी जितेंद्र बघेल ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने हरियाणा में मिली हार के लिए बीजेपी की धांधली को जिम्मेदार ठहराया। बघेल ने कहा कि चुनाव में अनियमितताएं हुई हैं। कुछ प्रत्याशियों ने सबूत दिया है, कुछ प्रत्याशी बाद में सबूत देंगे। उन्होंने कहा कि यह कमेटी अलग से बैठक करना चाहती है, तो कर सकती है। बहरहाल, इस बैठक की रिपोर्ट तैयार करके हाईकमान को भेजी जाएगी। इसके बाद कोर्ट में जाने का फैसला होगा।

'चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली'

आठ सदस्यीय कमेटी के चेयरमैन करण सिंह दलाल ने भी कांग्रेस की हार के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव रातोंरात बदल गया था। चुनाव आयोग ने भाजपा की कठपुतली बनकर काम किया। सरकारी अफसरों का भी दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि यह बात सभी प्रत्याशियों ने बताई है। एक सवाल के जवाब में कहा कि इसके अलावा किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है।

क्या भूपेंद्र हुड्डा जिम्मेदार?

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा गुट से रामनिवास राड़ा और शमशेर सिंह गोगी ने इस बैठक में हिस्सा नहीं लिया। दरअसल, सैलजा के समर्थकों का आरोप है कि इस हार के लिए भूपेंद्र हुड्डा भी बराबर के जिम्मेदार हैं। हालांकि इन दोनों प्रत्याशियों की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है कि उन्होंने किस कारण से इस बैठक को नजरअंदाज किया है। बहरहाल, करण दलाल ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी है, उससे लगता है कि कांग्रेस इस हार के लिए 'भीतरघात' को नहीं, बल्कि बीजेपी की कथित धांधली को सबसे ज्यादा जिम्मेदार मानती है।

साइबर सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में जुटेंगे विशेषज्ञ

- 13 नवंबर से तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी । नई दिल्ली

बढ़ते साइबर अपराध और उससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने जैसे मुद्दों पर चर्चा के लिए 13 नवंबर से दिल्ली में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित होने जा रही है। इसमें साइबर से जुड़े कानून, अपराध और सुरक्षा के मुद्दे पर विशेषज्ञ अपने अनुभवों को साझा करेंगे।

अपराध और सुरक्षा पर सुझाव

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. पवन दुग्गल का कहना है कि कॉन्फ्रेंस में 250 से अधिक वक्ता शामिल होंगे। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, साइबर अपराध से बचाव और साइबर सुरक्षा के मुद्दे पर अपने विचार रखेंगे। मौजूदा वक्त में भारत के अंदर डिजिटल अरेस्ट बड़ी चुनौती है, इससे निपटने के उपायों पर भी विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे।

आंध्र प्रदेश में ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसा यात्री

एजेंसी । नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बताया जा रहा है, रेलवे स्टेशन पर एक यात्री जन्मभूमि एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश के दौरान प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंसने से बाल-बाल बच गया। दरअसल जब ट्रेन प्रस्थान करने की तैयारी कर रही थी, तभी अचानक इस घटना से वहां मौजूद सभी यात्री दहशत में आ गए। इसके बाद रेलवे अधिकारी पीड़ित की मदद करने के लिए दौड़े, क्योंकि वह बहुत ही बुरी स्थिति में फंसा हुआ था। बड़ी मुश्किल में यात्री को बचाया गया, अधिकारियों को उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए मंच के कंक्रीट फर्श को तोड़ना पड़ा।

यात्री को ले जाया गया NTR हॉस्पिटल

इसके बाद घायल यात्री को तत्काल चिकित्सा के लिए एनटीआर अस्पताल ले जाया गया। उनकी स्थिति के बारे में अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। साथ ही घटना के आसपास की परिस्थितियों को निर्धारित करने और भविष्य में इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए एक पुलिस जांच शुरू की गई है। वहीं इससे पहले आंध्र प्रदेश में एक बड़ा रेल हादसा हुआ था। यहां के अनाकापल्ली जिले में थडी और अनाकापल्ले रेलवे स्टेशन के बीच

एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई थी। इससे रेलमार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही पर भी भारी असर पड़ा। साथ ही कई ट्रेनों को रद्द किया गया है और एक ट्रेन को रीसेड्युल किया गया है।

'येदियुरप्पा और श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमे की सिफारिश'

कोरोना फंड घोटाले की जांच पर मंत्री का दावा

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक में कोरोना महामारी के दौरान उपकरणों और दवाओं की खरीद में कथित अनियमितता के आरोप लगे। इस मामले की जांच के लिए न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में आयोग गठित किया गया। जांच के बाद आयोग ने तत्कालीन मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री बी श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की है। ये दावा

किया है कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने। उन्होंने शनिवार को कहा कि भाजपा के सत्ता में रहने के दौरान फंड के दुरुपयोग और उपकरणों और दवाओं की खरीद में 'लूट' की बात स्पष्ट हो चुकी है।

तत्कालीन सरकार ने नियमों का उल्लंघन किया

वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस नेता दिनेश गुंडू राव ने यह भी कहा कि आयोग की रिपोर्ट ये साबित करती है कि कोरोना महामारी के दौर में तत्कालीन भाजपा सरकार ने परिस्थितियों का दुरुपयोग करते हुए शवों पर पैसा कमाया। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान कोई भी भाजपा से सवाल नहीं कर सकता था। इसका फायदा उठाते हुए, तत्कालीन सरकार ने नियमों का उल्लंघन किया। फंड की लूटपाट पर विपक्षी दल के रूप में, कांग्रेस ने मुद्दा उठाने की कोशिश की, लेकिन नतीजा नहीं निकला। राव ने कहा कि कर्नाटक में जब कांग्रेस सत्ता में लौटी तो मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार ने पूरे घोटाले की जांच कराने का फैसला लिया। पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है।

तमिलनाडु में सर्पदंश 'अधिसूचित बीमारी' घोषित

मौतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार का बड़ा फैसला

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु में इस साल सर्पदंश के सात हजार से ज्यादा मामले सामने आए जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। ऐसे मामलों पर बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम के तहत सर्पदंश को एक 'अधिसूचित बीमारी' घोषित कर दिया है। इस निर्णय का उद्देश्य सांप के काटने से होने वाली मौतों को रोकने के लिए डेटा संग्रह, नैदानिक बुनियादी ढांचे में सुधार और एंटी वैनम का आवंटन करना है। अस्पतालों को अब सर्पदंश के आंकड़ों की रिपोर्ट राज्य सरकार को देनी होगी।

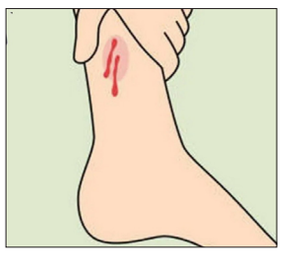

इस साल जून तक तमिलनाडु में सर्पदंश के 7,300 मामले सामने आए और 13 लोगों की मौत हो गई। पिछले साल सर्पदंश से 43 मौतें हुई थीं और 19,795 मामले दर्ज किए गए थे और 2022 में 17 मौतों के साथ 15,120 मामले सामने आए थे। अधिकारियों ने कहा कि सर्पदंश के सभी मामलों की सूचना अस्पतालों में नहीं दी जाती, जिससे डेटा संग्रह में अंतर आ जाता है। हालांकि सांप के काटने से होने वाली मौतों के मामले में डेटा अधिक सटीक है, सरकार का इरादा इसे और अधिक मजबूत बनाने का है ताकि उपचार के लिए आवश्यक एंटी-वेनम जहां आवश्यक हो, उपलब्ध कराया जा सके।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने सर्पदंश से होने वाली मौतों और विकलांगताओं को नियंत्रित करने के लिए एक वैश्विक रणनीति शुरू की है। राष्ट्रीय कार्य योजना का लक्ष्य वन हेल्थ दृष्टिकोण के माध्यम से 2030 तक सर्पदंश से होने वाली मौतों को आधा करना है।

नवसारी में कैमिकल फैक्ट्री में आग

- 3 मजदूरों की मौत, 3 घायल, एक अब भी लापता

एजेंसी । नवसारी

गुजरात के नवसारी जिले में शनिवार 9 नवम्बर की सुबह एक गोदाम में रसायन रिसाव के कारण लगी आग में तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) बीवी गोहिल ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे आग लगी। उस वक्त श्रमिक बिलिमोरिया तालुका के देवसर गांव में एक गोदाम में ट्रक से रसायन युक्त बैरल उतार रहे थे। उन्होंने बताया कि आग लगने

से तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोहिल ने बताया कि आसपास के तालुका से पांच दमकल गाडिय़ों को बुलाया गया और आग पर काबू पा लिया गया। मामलातदार जगदीश चौधरी ने बताया कि ट्रक में रखे एक बैरल से रसायन लीक हो गया, जिससे आग लग गई। सबसे पहले ट्रक में आग लगी और आग पूरे गोदाम में फैल गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई।

संयुक्त राष्ट्र में सुधांशु त्रिवेदी ने पाकिस्तान को जमकर धोया

एजेंसी । नई दिल्ली

राज्यसभा सासंद और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को खूब धोया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना रहेगा। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के साथ पाकिस्तान की भागीदारी तब शुरू हुई जब संयुक्त राष्ट्र ने 1948 में जम्मू और कश्मीर के विवादित क्षेत्र में शांति सैनिकों को तैनात किया। भाजपा सांसद सुंधाशु त्रिवेदी ने पाकिस्तान के इस दावे पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह अनावश्यक उल्लेख है। त्रिवेदी ने कहा कि पाकिस्तान ने एक बार फिर इस प्रतिष्ठित संस्था को उसके एजेंडे से भटकाने का प्रयास किया है। सुधांशु त्रिवेदी ने अपने उत्तर देने के अधिकार का इस्तेमाल किया और पाकिस्तान की टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

'राजीव शुक्ला ने भी लगाई लताड़'

कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला भी पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में लताड़ लगा चुके हैं। दरअसल, पाकिस्तान ने अनावश्यक रूप से कश्मीर का राग अलापना शुरू कर दिया। इस पर राजीव शुक्ला ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर गलत जानकारी फैलाता है। मगर जमीनी हकीकत अलग है। शुक्ला ने कहा कि पाकिस्तान को झूठ और भ्रामक जानकारी फैलाने की आदत है।

'झूठ से बचे पाकिस्तान'

त्रिवेदी ने कहा कि जम्मू और कश्मीर के लोगों ने हाल ही में अपने लोकतांत्रिक और चुनावी अधिकार का इस्तेमाल करके नई सरकार चुनी है। पाकिस्तान को इस तरह की बयानबाजी और झूठ से बचना चाहिए, क्योंकि इससे तथ्य नहीं बदलेंगे। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर सुंधाशु त्रिवेदी ने लिखा कि जम्मू-कश्मीर में हाल ही में संसदीय और विधानसभा के चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हुए हैं, इसलिए संयुक्त राष्ट्र के प्रतिष्ठित मंच का इस्तेमाल इस प्रकार के गैर-तत्वपूर्ण और भ्रामक शब्दों का उल्लेख करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

'कोई ताकत अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकती'

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के धुले में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जम्मू और कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला। इसके बाद से उन्होंने कश्मीर के खिलाफ साजिश रचना शुरू कर दिया है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि दो दिन पहले उन्होंने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के उद्देश्य से जम्मू और कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकती है।

आरजी कर दरिंदगी के तीन महीने पूरे

- जूनियर डॉक्टरों ने निकाली रैली, पीड़िता के लिए न्याय की मांग

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता में जूनियर डॉक्टरों ने दुष्कर्म और हत्या की शिकार महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए शनिवार को रैली निकाली। बता दें कि ये रैली आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के वारदात के तीन महीने पूरे होने पर निकाली गई। इस घटना से पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया था।

कॉलेज स्क्वायर से एस्प्लेनेड तक निकाली रैली

पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट के बैनर तले जूनियर डॉक्टरों ने शहर के सभी मेडिकल कॉलेजों में मंच स्थापित किए, जिन पर 9 अगस्त को डॉक्टर की हत्या के बाद से तीन महीने से अधिक समय से चल रहे विरोध प्रदर्शनों की तस्वीरें, बैनर और पोस्टर लगाए गए। आज जूनियर डॉक्टरों ने अपनी विरोध रैली को कॉलेज स्क्वायर से शहर के बीचों-बीच मौजूद एस्प्लेनेड तक निकाली। इस दौरान दरिंदगी की पीड़िता के लिए न्याय की मांग की गई। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना आठ अगस्त की है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। उसने आठ अगस्त अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। घटना के अगले दिन नौ अगस्त की सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया।

खबर संक्षेप

सुधाकर सिंह के लाठी वाले बयान पर भड़के प्रशांत किशोर

पटना। बिहार में इन दिनों उपचुनाव की गहमागहमी है। पक्ष-विपक्ष लगातार एक दूसरे पर जुबानी हमला कर रहे हैं। इसी कड़ी में राजद के बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने ऐसा बयान दे दिया जिसके बाद से ही एनडीए उन पर हमलावर है। सूबे के श्रम संसाधन मंत्री ने तो उनकी उंगली काटने तक की धमकी दे दी। वहीं, बिहार की राजनीति में नई नवेली उतरी जन सुराज ने भी सुधाकर सिंह और आरजेडी को निशाने पर लिया है। पार्टी के कर्ताधर्ता प्रशांत किशोर ने तो राजद सांसद को बाहुबली तक बता दिया। दरअसल, रामगढ़ में अपने भाई अजीत सिंह के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सुधाकर सिंह ने कहा था कि इस बार 2020 वाली गलती नहीं करेंगे। पिछली बार तीन बूथों पर लाठी से मारे थे इस बार तीन सौ बूथों पर मारेंगे। उनका इतना कहते ही सूबे की राजनीति में बवाल मच गया। एनडीए ने दावा किया कि बिहार में लालू यादव का जंगलराज नहीं नीतीश कुमार के सुशासन का राज है।

संपत्ति विवाद में बेटे ने बाप की सीने में उतार दी गोली

सासाराम। बिहार के राहतास जिले में संपत्ति को लेकर हुए विवाद में बेटे ने बाप की गोली मारकर हत्या कर दी। सासाराम के धर्मपुरा थाना क्षेत्र के हथनी गांव में संपत्ति के विवाद में गौरी शंकर चौधरी को उनके ही बेटे ने गोली मार का हत्या कर दी। गौरी शंकर चौधरी अपनी बेटी शादी में अपनी कुछ जमीन बेच दी थी, जिसको लेकर उनका बेटा उनसे नाराज था। इस वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलने पर धर्मपुरा ओपी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची तथा आरोपी पुत्र हरेंद्र चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि गौरी शंकर चौधरी अपनी बेटी की शादी करने के लिए कुछ जमीन बेच दी थी। जिस पर उनका पुत्र हरेंद्र चौधरी काफी नाराज हो गया। इस मुद्दे पर पिता पुत्र में पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। इस विवाद में पुत्र हरेंद्र चौधरी ने अपने ही 60 वर्षीय पिता गौरीशंकर चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी है।

दारु पिलाकर दोस्तों ने पीटा सुबह बिस्तर पर मिली लाश

लखीसराय। प्रदेश के लखीसराय जिले में दोस्तों की पिटाई से एक शख्स की मौत हो गई है। दरअसल, नक्सल प्रभावित कजरा थाना क्षेत्र के मंझियामा गांव में दो युवकों ने पहले अपने दोस्त को शराब पिलाई। इसके बाद उसे जमकर पीटा, जिसके कारण उसकी मौत हो गई है। सुबह युवक की लाश बिस्तर पर मिली। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया।

CM योगी ने डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में डबल डेकर इलेक्ट्रानिक बस को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने बस में स्कूली बच्चों और आकांक्षा समिति में काम करने वाले कर्मियों से मुलाकात की। सीएम योगी ने बस का उद्घाटन करने के बाद बस के अंदर जाकर भी देखा।

MST बनवाने पर महिलाओं को 50 फीसदी छूट

मुख्यमंत्री ने महिलाओं को प्रत्येक शनिवार को हेरिटेज टूर मुफ्त में कराने की घोषणा करने के साथ ही महिलाओं को डबल डेकर बस में एमएसटी बनवाने पर पचास प्रतिशत छूट देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि डबल डेकर ईवी बस से यातायात सुधरेगा और पर्यावरण के लिए भी अच्छा कदम साबित होगा। यही नहीं, आने वाले समय में प्रदेश के बाकी प्रमुख शहरों में भी इस तरह की बसें चलाने की बात कही।

आकांक्षा हाट की प्रदर्शनी को सीएम ने देखा

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने आकांक्षा हाट द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। दो दिवसीय प्रदर्शनी में वाराणसी, बरेली की दस्तकारी, टेराकोटा के आभूषण, बुद्ध नगर कुशीनगर, सहारनपुर की नक्काशी सहित 12 से ज्यादा स्टाल लगाकर महिलाओं ने अपना हुनर दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षा का नाम सुना करता था। यही जानता था कि आइएएस अफसरों की पत्नियों द्वारा चलाया जाने वाला कोई क्लब है। अब यहां आकर आकांक्षा द्वारा किए जा रहे कार्यों से भी अवगत हो सका हूं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि आकांक्षा द्वारा बनाए जाने वाले नमकीन प्रोडेक्ट का सबसे बड़ा ग्राहक मुख्यमंत्री कार्यालय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आकांक्षा से जुड़ी महिलाएं यहां सुबह से हैं, इसलिए अधिकारी भी कार्यालय से समय पर आ गए होंगे।

सीएम ने डेयरी उद्योग से जुड़ी महिलाओं की प्रशंसा की

उन्होंने कहा कि कभी कोई अधिकारी विलंब से आता है तो पूछता हूं तो बताते हैं कि नाश्ता तैयार नहीं था। मुख्यमंत्री ने हंसते हुए कहा कि आज जल्द अधिकारी आ गए तो हो सकता है कि घर जाने के बाद बर्तन भी साफ करें। उनहोंने बुंदेलखंड में 71 हजार महिलाओं के उस समूह की प्रशंसा की भी की, जो डेयरी उद्योग से जुड़ा है। यह महिला स्वावलंबन का एक उदाहरण है।

हिंदुजा ग्रुप का प्लांट जल्द होगा शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में हिन्दुजा ग्रुप का प्लांट जल्द शुरू होगा। इससे रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे पूर्व आकांक्षा समिति ने बेहतर काम करने वाले महिला सदस्यों को सम्मानित भी किया और चार एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी आकांक्षा समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहा।

स्विच मोबिलिटी कंपनी ने महाराष्ट्र से मंगवाई थी बस :

स्विच मोबिलिटी कंपनी ने 31 अगस्त की शाम महाराष्ट्र से एसी इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस लखनऊ मंगवाई थी। बस में ऊपर 36 और नीचे के तल पर 30 यात्री बैठ सकेंगे। चार कैमरे अंदर और एक पीछे लगाया गया है। आठ पैनिक बटन सहित अन्य सुविधाएं भी हैं। शहर में इस समय 60 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है। सिटी ट्रांसपोर्ट के प्रबंध निदेशक आरके त्रिपाठी ने बताया कि मार्ग का किराया तय हो गया है।

भदैनी हत्याकांड

सॉफ्टवेयर डेवलपर बना पुलिस के लिए पहेली

सीसीटीवी कैमरों को भी दे गया चकमा

एजेंसी । वाराणसी

पांच हत्याओं के आरोपित विशाल गुप्ता को पकड़ना पुलिस के लिए आसान भी नहीं होगा।कंप्यूटर और साफ्टवेयर का विशेषज्ञ हत्यारोपित विशाल गुप्ता के वाराणसी आने पर उसके स्वजन मुहर पहले ही लगा चुके हैं। पांच हत्याओं से दहली पुलिस छानबीन के बाद आरोपित के पीछे दौड़ी तो गिरफ्तारी के लिए पसीने भी खूब बहाई। लेकिन पांच नवंबर को हुई नृशंस हत्या में उच्चाधिकारियों के सीधी मानीटरिंग के बाद भी आरोपित हाथ नहीं आ सका है। अहमदाबाद, मुंबई, तमिलनाडु में पुलिस टीमें खाक छान रहीं हैं। यह जरूर है कि पुलिस के रडार चौतरफा काम कर रहे, जिसमें फंसने के लिए विशाल के एक गलती करने का इंतजार है। विशाल ने तमिलनाड़ से वर्ष 2017 की जुलाई माह में एमसीए की डिग्री हासिल की थी।

अहमदाबाद में बनाता था 'एप'

पुलिस को इस बात की जानकारी हो गई है कि विशाल का तीन माह पूर्व तक ठिकाना अहमदाबाद था। इसलिए उम्मीद लिए गई थी कि वहां से कुछ क्लू मिलेगा। पुलिस टीम अहमदाबाद गई भी, लेकिन उसके हाथ ज्यादा कुछ नहीं लग पाया ।यह जरूर जानकारी हुई कि वह साफ्टवेयर डेवलपर है। वह कंपनियों के लिए 'एप' तैयार करता था।

चार मोबाइल नंबर रखता था, अंतिम को 24 अक्टूबर को किया बंद

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि विशाल उर्फ विक्की चार मोबाइल नंबर प्रयोग करता था। लेकिन उसने धीरे-धीरे करके मोबाइल से दूरी बना ली। उसने अपना अंतिम मोबाइल का प्रयोग 24 अक्टूबर को किया था।

'बीजेपी की सरकार बनाएं, चुन-चुनकर घुसपैठियों को भेजेंगे वापस'

पोटका में गरजे अमित शाह

एजेंसी । पोटका

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार वोट बैंक के लालच में राज्य को घुसपैठियों का अड्डा बना रही है। प्रदेश की जनता इस चुनाव में उन्हें सबक सिखाने जा रही है। बीजेपी की सरकार बनाएं, घुसपैठियों को चुन-चुनकर वापस भेजेंगे। वे शनिवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

परिवारवाद में लिप्त है हेमंत सोरेन सरकार

अमित शाह ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को परिवारवाद के मुद्दे पर घेरा। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद परिवारवाद में लिप्त रही है। हेमंत सोरेन सरकार ने परिवारवाद को बढ़ावा दिया है और सिर्फ अपने परिवार का विकास किया। ऐसी सरकार से राज्य के विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

राहुल गांधी ने झारखंड को दी 7 गारंटी

बोले- 3200 रुपए में धान खरीदेगी गठबंधन सरकार

एजेंसी । रांची

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को झारखंड की जनता से वादा किया कि कृषि उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 50 फीसदी तक की वृद्धि की जाएगी। वह धनबाद के बाघमारा में INDIA के उम्मीदवारों के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

देश के युवा और महिलाएं हैं दुखी : राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवा और महिलाएं आज दुखी हैं। यह सच्चाई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी सिर्फ बड़े-बड़े भाषण करते हैं। करते कुछ नहीं हैं। कहा कि देश में जब महंगाई बढ़ती है, तो सबसे ज्यादा चोट हमारी माताओं-बहनों पर पड़ती है। उन्होंने कहा कि जीएसटी का पूरा ढांचा देश के गरीबों से पैसा लेने का तरीका है।

देश की बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में ओबीसी, दलित, आदिवासी नहीं

राहुल गांधी ने आरक्षण की भी बात की। कहा कि देश में करीब 50 प्रतिशत OBC, 15 प्रतिशत दलित, 8 प्रतिशत आदिवासी और 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हैं। राहुल गांधी ने कहा कि इसके बावजूद देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में OBC, दलित और आदिवासी वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा।

झारखंड को राहुल गांधी ने दी INDIA की 7 गारंटी

राहुल गांधी ने झारखंड के लिए INDIA की 7 गारंटी की बात की। कहा कि फिर से गठबंधन की सरकार बनी, तो झारखंड में खाद्य सुरक्षा की गारंटी मिलेगी। इसके तहत 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिलेगा और हर व्यक्ति को 7 किलो राशन दिया जाएगा।

1932 के खतियान आधारित स्थानीयता नीति की गारंटी

1932 आधारित खतियान की गारंटी भी उन्होंने दी। कहा कि 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीयता नीति बनाई जाएगी। उन्होंने सरना धर्म कोड लागू करने का भी वादा किया।

महिलाओं को प्रति माह 2,500

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह खटाखट 2,500 रुपए मिलेंगे।

व्यापार जगत

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही गिरावट

सोना 1,043 रुपए गिरकर 77,382 रुपए पर आया

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 2 नवंबर को सोना 78,425 रुपए पर था, जो अब (9 नवंबर) को 77,382 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,043 रुपए कम हुई है।

चांदी 91,130 रुपए प्रति किलो बिक रही

वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को ये 93,501 रुपए पर थी, जो अब 91,130 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 2,371 रुपए कम हुई है। वहीं 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,510 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,360 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,750 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 79,360 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,360 रुपए है।

साल के आखिर तक 80 हजार तक जा सकता है सोना

HDFC सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 80 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं, चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के पार पहुंच सकती है।

एशियन पेंट्स का दूसरी तिमाही में मुनाफा 42% घटा

यह ₹694 करोड़ रहा, रेवेन्यू 5.3% गिरकर ₹8,003 करोड़ हुआ, प्रति शेयर ₹4.25 डिविडेंड देगी कंपनी

एजेंसी । मुंबई

दिवाली सीजन के बाद एशियन पेंट्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 694.64 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। सालाना आधार इसमें 42% की कमी आई है। एक साल पहले कंपनी को 1,205.42 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। इस दौरान कंपनी का सेल्स से रेवेन्यू 5.3% की गिरावट के बाद 8,003 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 8,452 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। कंपनी ने आज (शनिवार, 9 नवंबर) वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही (Q2FY25) के नतीजे जारी किए हैं।

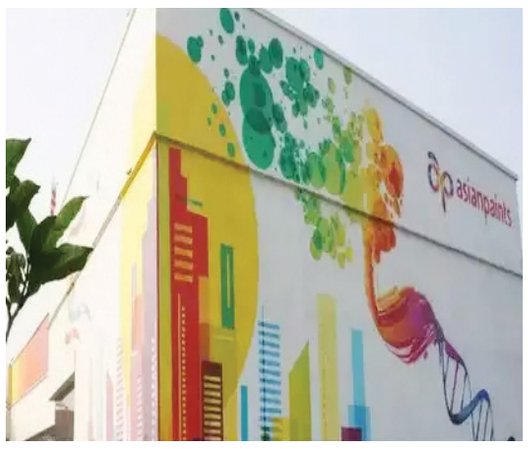

प्रति शेयर 4.25 डिविडेंड देगी कंपनी

नतीजों के अलावा एशियन पेंट्स के बोर्ड ने शेयरधारकों को प्रति शेयर 4.25 रुपए के अंतरिम डिविडेंड (लाभांश) को भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

तिमाही आधार पर 40% कम हुआ नेट प्रॉफिट

वहीं, तिमाही आधार यानी अप्रैल-जून के मुकाबले जुलाई-सितंबर में कंपनी के नेट प्रॉफिट में 40.68% की कमी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में कंपनी को 1,170 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था।

एशियन पेंट्स का शेयर एक साल में 10.17% गिरा

एशियन पेंट्स का शेयर एक दिन पहले शुक्रवार को 2.67% की गिरावट के साथ 2,767 रुपए पर बंद हुआ। एशियन पेंट्स के शेयर ने पिछले 6 महीने में 2.10% का रिटर्न दिया है। वहीं एक साल इसमें 10.17% की गिरावट रही है। केवल इस साल की बात करें यानी 1 जनवरी से अब तक, तो एशियन पेंट्स का शेयर 18.52% गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 2.65 लाख करोड़ रुपए है।

प्रतिस्पर्धा मानदंडों का उल्लंघन कर रहे जोमैटो और स्विगी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच में पाया गया है कि खाद्य वितरण मंच जोमैटो और स्विगी अनुचित व्यावसायिक प्रथाओं में लिप्त हैं। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इनमें कुछ रेस्तरां भागीदारों को कथित रूप से तरजीही व्यवहार देना भी शामिल है। सीसीआई ने अप्रैल, 2022 में विस्तृत जांच का आदेश दिया था। जांच रिपोर्ट इस साल की शुरुआत में नियामक को सौंप दी गई थी। नियमों के तहत, सीसीआई महानिदेशक की रिपोर्ट संबंधित पक्षों के साथ साझा की गई है और बाद में, नियामक द्वारा उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा। सभी के विचार और स्पष्टीकरण एकत्र करने के बाद नियामक अंतिम आदेश पारित करेगा। दोनों संस्थाओं की जांच का निर्णय भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां संघ (एनआरएआई) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर लिया गया था।

एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट का शुद्ध लाभ 28 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 28 प्रतिशत बढ़कर 94.82 करोड़ रुपए रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 73.94 करोड़ रुपए रहा था। एक्शन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी आमदनी सितंबर तिमाही में बढ़कर 790.90 करोड़ रुपए रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 690.21 करोड़ रुपए थी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में कंपनी का शुद्ध लाभ 179 करोड़ रुपए रहा था, जो पिछले वित्त वर्ष की समान छमाही में 141.51 करोड़ रुपए रहा था।

एआई एक्सप्रेस ने अधिक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की बनाई योजना

नई दिल्ली। एयर इंडिया (एआई) एक्सप्रेस छोटे शहरों और कस्बों को महानगरों से जोड़ने के साथ ही नए विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ान भरने पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एआई एक्सप्रेस ने कहा कि नेटवर्क विस्तार और समूह के साथ तालमेल से उसे बढ़त मिलेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस में हाल में एआईएक्स कनेक्ट का विलय हुआ है। एयरलाइन के पास लगभग 90 विमानों का बेड़ा है और चालू वित्त वर्ष के अंत तक यह संख्या 110 को पार कर सकती है। कंपनी का लक्ष्य मार्च, 2025 के अंत तक कुल 55 गंतव्यों के लिए उड़ान भरना है और इसने एयर इंडिया समूह की रणनीति के तहत अपने नेटवर्क को युक्तिसंगत भी बनाया है। अधिकारियों ने कहा कि घरेलू मार्गों को जोड़ने के अलावा, टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन थाईलैंड के बैंकॉक और फुकेट जैसे और विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू करेगी।

जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस का IPO 13 नवंबर से ओपन होगा

18 नवंबर तक बिडिंग कर सकते हैं निवेशक, मिनिमम इन्वेस्ट करने होंगे 14,742 रुपए

एजेंसी । मुंबई

जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर, यानी IPO, 13 नवंबर से ओपन होगा। रिटेल निवेशक इस इश्यू में 18 नवंबर तक बोली लगा सकेंगे। इसके बाद अलॉटमेंट 19 नवंबर को और शेयरों की लिस्टिंग BSE और NSE पर 21 नवंबर को होगी। 1114.72 करोड़ रुपए साइज वाले इस IPO में 550 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे, वहीं मौजूदा शेयरहोल्डर्स और प्रमोटर्स की ओर से 2.16 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल रहेगा। अपर प्राइस बैंड पर OFS की वैल्यू लगभग 564.72 करोड़ रुपए होगी।

मैक्सिमम 756 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक

जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने अपने पब्लिक इश्यू के लिए प्राइस बैंड 259-273 रुपए प्रति शेयर तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 54 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप IPO के अपर प्राइज बैंड 273 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,742 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 14 लॉट यानी 756 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 206,388 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। कंपनी के कर्मचारियों को IPO में 25 रुपए प्रति इक्विटी शेयर की छूट मिलेगी।

भारत की निगाह एक और विजय पर

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा मुकाबला आज
- टीम इंडिया के शीर्षक्रम को देना होगा सैमसन का साथ

एजेंसी । गकेबरहा

संजू सैमसन ने लगातार दूसरा सैकड़ा जड़कर टीम में अपना दावा और मजबूत कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को होने वाले दूसरे टी-20 में भी इस विकेटकीपर बल्लेबाज से एक और धमाके की उम्मीद होगी। हालांकि टीम इंडिया को अगर अपना विजय अभियान जारी रखना है तो शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाजों को संजू का साथ देना होगा। पहला मैच भले भारत ने जीता पर उसकी मध्य और निचले क्रम की कमजोरी भी उजागर हुई। भारत को दूसरे मैच में इस क्षेत्र में सुधार करना होगा।

तिलक को बड़ी पारी की दरकार

तिलक वर्मा ने 18 गेंद पर 33 रन की तूफानी पारी खेली लेकिन पर वह इस शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। भारतीय मध्य क्रम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। अगर तिलक को अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्हें छोटे स्कोर को बड़ी पारियों में तब्दील करना होगा।

आमने-सामने

कुल मैच :	28
भारत जीता :	16
दक्षिण अफ्रीका जीता :	11
बेनतीजा :	1

सूर्य भी खो रहे चमक

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अपने चमक खो रहे हैं। वह पहले मैच में अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए। मुंबई के इस विस्फोटक बल्लेबाज को बल्ले से रन बनाने होंगे। वहीं ऑलराउंडर हार्दिक भी उम्मीद पर खरे नहीं उतरे। वह न तो बल्ले और न ही गेंद से कमाल कर पाए। अगर टीम को सीरीज जीतने है तो इन दोनों को दम दिखाना होगा।

नंबर गेम

- 1 मैच इस स्टेडियम में दोनों ने पिछले साल खेला था जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने भारत को मात दी थी
- 12 साल से यहां अजेय है दक्षिण अफ्रीका। उसे पिछली और एकमात्र हार 2007 में विंडीज के हाथों मिली थी
- 10 मैच दक्षिण अफ्रीका में दोनों खेले हैं जिसमें से भारत ने सात और मेजबान टीम ने तीन जीते हैं

अफ्रीकी करेंगे पलटवार

दक्षिण अफ्रीकी टीम पलटवार की तैयारी में होगी। क्लासेन और मिलर बड़ी पारी खेलकर टीम को बराबरी दिलाने का प्रयास करेंगे। दक्षिण अफ्रीका को अगर भारत का विजय अभियान रोकना है तो उसके युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अनुरूप प्रदर्शन करना होगा।

अभिषेक फिर फेल

संजू की तूफानी पारी से भारत ने पहला मैच 61 रन से जीता। भारत के अन्य बल्लेबाज हालांकि पर्याप्त योगदान नहीं दे पाए थे जो टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक मौकों का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। यह टीम प्रबंधन के लिए बड़ी चिंता है। वह जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक जड़ने के बाद से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। टीम प्रबंधन उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव को देखकर निराश होगा। विशेषकर तब जबकि वह रोहित के संन्यास लेने के बाद इस छोटे प्रारूप में सलामी बल्लेबाज के अन्य विकल्पों की तलाश कर रहा है। उन्हें अगर अपनी जगह पक्की करनी है तो बड़ी पारी खेलनी होगी।

मध्यक्रम बेदम

भारतीय मध्यक्रम सिर्फ कागजों पर मजबूत नजर आता है पर मैदान पर बेदम नजर आया। पहले मैच में वे साझेदारी निभाने के लिए संघर्ष करते हुए नजर आए। भारत ने 36 रन के अंदर छह विकेट गवाएं। इससे एक समय बेहद मजबूत स्थिति में होने के बावजूद टीम बड़ी मुश्किल से दो सौ पार पहुंच पाई।

वरुण छोड़ रहे छाप

भारत के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। वरुण चक्रवर्ती के साथ ही रवि बिश्नोई की गुगली के आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज चित हो गए। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई।

दोनों दिग्गज भारतीय खिलाड़ियों ने ओलंपिक में लगातार दूसरा कांसा जीतने में निभाई थी अहम भूमिका

हरमनप्रीत और श्रीजेश वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और गोलकीपर

> मैं इस सम्मान के लिए एफआईएच का आभार व्यक्त करता हूं। ओलंपिक में पदक जीतकर स्वदेश लौटना शानदार रहा जहां हमारा स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। यह बहुत ही खास एहसास था। मैं यहां पर अपने साथियों का जिक्र करना चाहूंगा। आपके बिना यह कुछ भी संभव नहीं हो पाता। पत्नी और बेटी के सामने यह पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इसलिए इसे संभव बनाने वाले सभी लोगों को धन्यवाद।
>
> –हरमनप्रीत सिंह

> मैं बहुत खुश हूं। मेरे खेल करियर के इस आखिरी खेल सम्मान के लिए धन्यवाद। यह पुरस्कार पूरी तरह से मेरी टीम का है, डिफेंस का है जिसने यह सुनिश्चित किया कि ज्यादातर हमले मुझ तक न पहुंचें। यह पुरस्कार मिडफील्डर और फॉरवर्ड का है जिन्होंने मैंने जितने गोल खाए उससे अधिक गोल करके मेरी गलतियों को छुपाया। –पीआर श्रीजेश

एजेंसी । लुसाने

हरमनप्रीत सिंह और दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) का वर्ष 2024 का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। दोनों को शुक्रवार रात को ओमान में 49वीं एफआईएच कांग्रेस के दौरान इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन दोनों ने भारतीय हॉकी टीम को लगातार दो ओलंपिक में कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हरमन ने पेरिस ओलंपिक में दस गोल दागे थे। उन्होंने टीम की अगुआई भी की थी।

अन्य पुरस्कार विजेता

- वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी : यिब्बी, नीदरलैंड्स
- वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर :ये जिओ, चीन
- वर्ष की उभरती महिला खिलाड़ीः जो डियाज, अर्जेंटीना
- वर्ष का उभरता खिलाड़ीः सुफियान खान, पाक
- वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष एवं महिला कोच : जेराइन डेल्मी और एलिसन अन्नान (नीदरलैंड्स)

दोनों का तीसरा पुरस्कार

सरपंच साहब के नाम से मशहूर हरमनप्रीत और भारतीय हॉकी की दीवार कहे जाने वाले श्रजेश ने तीसरी-तीसरी बार यह पुरस्कार जीता। यह दोनों इससे पहले 2020-21 और 2021-22 में यह पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। कप्तान के रूप में यह हरमनप्रीत का पहला पुरस्कार है।

हरमन ने चार को पछाड़ा

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकरों में शुमार हरमनप्रीत ने शीर्ष पुरस्कार हासिल करने के लिए नीदरलैंड्स के जोएप डी मोल और थियरी ब्रिकमैन, जर्मनी के हेंस मुलर और इंग्लैंड के जैक वालेस को पीछे छोड़ा। पेरिस के बाद हॉकी से संन्यास लेने वाले श्रीजेश ने नीदरलैंड्स के पिरमिन ब्लैक, स्पेन के लुइस कैलजाडो, जर्मनी के जीन पॉल डेनेबर्ग और अर्जेंटीना के टॉमस सैंटियागो को मात देकर यह पुरस्कार हासिल किया।

ICC के नए प्लान से टेंशन में पाकिस्तान

छिन सकती है चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

एजेंसी । दुबई

आईसीसी (ICC) जल्द ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को बड़ा झटका दे सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ICC तीन नए विकल्पों पर काम कर रहा है, जिससे 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान से छिनी जा सकती है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 19 फरवरी से शुरू होने वाला है, लेकिन भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने पर संशय है। बीसीसीआई (BCCI) और भारत सरकार की मंजूरी के बिना टीम इंडिया का पाकिस्तान जाना मुश्किल लग रहा है, और आईसीसी जानता है कि भारत के बिना यह टूर्नामेंट सफल नहीं हो सकता है।

ICC के पास क्या हैं विकल्प?

आईसीसी का पहला विकल्प है कि टूर्नामेंट पूरी तरह पाकिस्तान में हो। हालांकि, भारतीय टीम के पाकिस्तान आने पर संशय है, जो आईसीसी चाहता नहीं है।

दूसरे विकल्प के अनुसार, अगर भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाती, तो आईसीसी एशिया कप की तरह हाईब्रिड मॉडल अपना सकता है। इसमें भारत के मैच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) या श्रीलंका में हो सकते हैं।

वितिदसार्न से सेमीफाइनल में पार नहीं पा सके किरण

एजेंसी । इक्सान सिटी

भारतीय शटलर किरण जॉर्ज दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी कुनलावुत विदितसार्न से पार नहीं पा सके। दुनिया के 41वें नंबर के खिलाड़ी किरण को शनिवार को कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में थाईलैंड के वितिदसार्न के हाथों 53 मिनट तक चले मुकाबले में 12-21, 20-22 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म हो गई। प्रकाश पदुकोण बैडमिंटन अकादमी (पीपीबीए) में प्रशिक्षण लेने वाले किरण ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त ताकुमा ओबयाशी को हराकर उलटफेर किया था।

प्रेरणादायक फिल्म है अनुपम खेर की 'विजय 69'

- फ़िल्म : विजय 69
- कलाकार : अनुपम खेर, चंकी पांडे , गुड्डी मारुति, अद्रिजा सिन्हा , परितोष संड, व्रजेश हीरजी और मिहिर आहूजा आदि
- लेखक : अक्षय रॉय, अब्बास टायरवाला,
- ओटीटी : नेटफ्लिक्स
- रेटिंग : 3/5

निर्देशक : अक्षय रॉय, निर्माता : मनीष शर्मा

3/5

@लोकेश चंद्रा

अनुपम खेर ने 28 साल की उम्र में सारांश में एक बूढ़े आदमी का किरदार निभाया और स्टार बन गए, अब 69 साल की उम्र में उन्होंने 69 साल के विजय मैथ्यू का किरदार निभाया है। तस्वीर ये है कि ये एक्टर ना तो पर्दे पर और ना ही असल जिंदगी में बूढ़ा होने को तैयार है। इसलिए सावधान रहें अगर किसी ने इस अभिनेता को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार देने की हिम्मत की, क्योंकि इस आदमी में अभी भी बहुत सारा सिनेमा बाकी है और वह हमें और भी अधिक गुणवत्ता वाली फिल्में देने जा रहा है। उसी तरह एक्टिंग भी इतनी क्वालिटी स्किल पेश करने वाली है कि रिव्यू के दौरान क्या लिखा जाएगा, समझ ही नहीं आता। पिछली बार मैंने लिखा था कि हम वाकई भाग्यशाली हैं कि हम अनुपम खेर के समय में रह रहे हैं, इस बार एक बार फिर ऐसा महसूस हुआ।

कहानी

यह 69 साल के एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसके पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि उसने जीवन में क्या किया है। ऐसे समय में उन्होंने फैसला किया कि अब ट्रायथलॉन करेंगे। इसमें 1.5 किमी तैराकी, 40 किमी साइकिलिंग और 10 किमी दौड़ शामिल है। लेकिन जिसका पैर ख़राब हो वो ऐसा कैसे कर सकता है? और लोग आश्चर्य करते हैं कि क्या वह ऐसा कर सकता है। यह अब तक की सबसे बेहतरीन नेटफ्लिक्स फिल्म है।

कैसी है फिल्म

यह साल की सबसे प्रेरणादायक फिल्मों में से एक है। यह फिल्म आपको बहुत प्रेरित करती है, इस फिल्म को देखने के बाद आप अपने माता-पिता को गले लगाएंगे, उनके बारे में सोचेंगे, उनके सपनों के बारे में सोचेंगे, यह फिल्म आपको बहुत भावुक कर देती है। आपकी आंखों से आंसू आ जाएंगे, जिस तरह से फिल्म में भावनाओं को दर्शाया गया है वह आपको रुला देगा, यह फिल्म आपको उठने और अपने सपनों के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करेगी। इस फिल्म को देखने के हजारों कारण हैं जो आपको बहुत ढूंढने के बाद भी कहीं नहीं मिलेंगे।

निर्देशन

फिल्म को अक्षय रॉय ने अब्बास टायरवाला के साथ लिखा है और अक्षय ने फिल्म का निर्देशन किया है। अक्षय का निर्देशन पूरे अंक का हकदार है, उन्होंने न केवल माता-पिता के सपनों के बारे में एक फिल्म बनाई है बल्कि आज की पीढ़ी के साथ भी जुड़ी है। कुल मिलाकर आपको ये फिल्म हर हाल में देखनी चाहिए।

अभिनय

अनुपम खेर ने जिस तरह से इस किरदार को निभाया है वो सिर्फ वो ही कर सकते थे। 69 साल की उम्र में उनके द्वारा दिखाया गया दृढ़ संकल्प, जुनून, ऊर्जा लुभावनी है। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान अनुपम खेर के कंधे में चोट लग गई थी, लेकिन उन्होंने शूटिंग जारी रखी। इस फिल्म में आप अनुपम खेर के साथ हंसते हैं, उनके साथ रोते हैं, उनकी हार से हारा हुआ महसूस करते हैं और उनकी जीत से कुछ जीतते हैं, यही एक अद्भुत अभिनेता की खूबी है। चंकी पांडे ने भी कमाल का काम किया है। उनके किरदार को देखकर आपको लगता है कि 69 साल की उम्र में आपके पास भी ऐसा दोस्त होना चाहिए। मिहिर आहूजा अनुपम खेर जैसे अभिनेता के साथ अच्छा काम करते हैं।

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नयनतारा किसी न किसी वजह से अक्सर चर्चा में रहती हैं। पिछले कुछ समय से उनकी डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल' खूब सुर्खियां बटोर रही है। पिछले दिनों इसका एक पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें बताया गया था कि 9 नवंबर को डॉक्यूमेंट्री का ट्रेलर रिलीज होगा। अब आखिरकार ट्रेलर जारी हो गया है, जिसमें नयनतारा के निजी और पेशेवर जिंदगी से जुड़े कई अनसुने किस्से सामने आए हैं।

तापसी, राणा दग्गुबाती और नागार्जुन ने खोले नयनतारा के राज

ट्रेलर में नयनतारा के दोस्तों और साथी कलाकारों के साथ की गई खास बातचीत शामिल की गई है, जिनमें राणा दग्गुबत्ती, तापसी पन्नू और नागार्जुन अक्किनेनी और उनके पति व फिल्म निर्माता विग्नेश शिवन शामिल हैं। ट्रेलर बतौर कलाकार उनके काम और एक बेटी, बहन, पत्नी और मां के रूप में उनकी जिंदगी में आए उतार-चढ़ाव और बदलावों को सामने लाती है। नयनतारा कैसे लेडी सुपरस्टार बनीं, ट्रेलर में इसकी झलक भी देखने को मिल रही है।

नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री का ट्रेलर रिलीज

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी डॉक्यूमेंट्री

बता दें कि नयनतारा की यह डॉक्यूमेंट्री OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगी। पिछले दिनों नेटफ्लिक्स ने इससे नयनतारा का एक पोस्टर सोशल मीडिया पर लिखा था, 'एक स्टार पर्दे पर और एक स्टार पर्दे से बाहर। 18 नवंबर को 'नयनतारा : बियॉन्ड द फेयरी टेल' देखें केवल नेटफ्लिक्स पर।' इस डॉक्यूमेंट्री में सरोगेसी के जरिए नयनतारा के मां बनने और उससे जुड़े विवाद को भी दिखाया जाएगा। बता दें कि नयनतारा ने सरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था।

नयनतारा ने यूं किया अपने प्रशंसकों का शुक्रिया

ट्रेलर के वीडियो में नयनतारा कह रही हैं, मैंने अपने जीवन का बहुत कुछ स्क्रीन पर साझा किया है, लेकिन यह डॉक्यूमेंट्री प्रशंसकों के लिए मेरा उपहार है। उन्हें इसके जरिए मेरे जीवन से जुड़े उन अध्यायों से परिचित होने का मौका मिलेगा, जिन्होंने मुझे आकार दिया। मैं अपने प्रशंसकों को अपनी दुनिया के इस पक्ष को दिखाने के लिए उत्साहित हूं। इयर के साथ मैं हर कदम पर मेरे साथ रहने के लिए उनको धन्यवाद कहना चाहती हूं।

रिकी केज को चौथी बार मिली ग्रैमी में नामांकन

संगीत जगत के सबसे बड़े अरै प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह ग्रैमी अवॉर्ड्स में नामांकन पाने वाले कलाकारों का ऐलान हो चुका है। भारतीय मूल के म्यूजिक कंपोजर रिकी केज को चौथी बार ग्रैमी नामांकन मिला है। सितार वादक और गायिका अनुष्का शंकर का भी नाम शामिल है। उधर पॉप गायिका बियॉन्से 11 नामांकन के साथ सूची में सबसे ऊपर हैं। उन्होंने संगीत जगत में अब तक सबसे ज्यादा ग्रैमी पुरस्कार अपने नाम किए हैं।

इस एल्बम के लिए मिला रिकी को नामांकन

भारतीय मूल के संगीतकार रिकी केज को 67वें ग्रैमी पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। वह 3 बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता हैं। अब रिकी चौथे नामांकन को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उनके म्यूजिक एल्बम 'ब्रेक ऑफ डॉन' को बेस्ट न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम की श्रेणी में नामांकन मिला है। रिकी अपने शानदार संगीत के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। उनका एल्बम 'ब्रेक ऑफ डॉन' संगीत के प्रति उनके जुनून का उदाहरण है। रिकी ने इस पर कहा, ब्रेक ऑफ डॉन को नामांकन मिलने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह एल्बम मेरे लिए बेहद खास है, जो हमारे लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए संगीत में मेरे विश्वास को दर्शाता है।ह यह एल्बम मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता का एक प्रयास है। दुनियाभर में मानसिक सेहत को लेकर बढ़ रही समस्याओं को देखते हुए इसे तैयार किया गया है।

सीट वॉर » दीपक पवार

माहिम विधानसभा सीट महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से एक है। यह निर्वाचन क्षेत्र एक सामान्य सीट है। माहिम विधानसभा सीट महाराष्ट्र की एक प्रमुख सीट मानी जाती है। यहां राजनीतिक दांव-पेच हमेशा से ही महत्वपूर्ण रहे हैं। यह मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का एक खंड है। इस निर्वाचन क्षेत्र के मुख्य दल SHS और मनसे हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र अपने आप में एक अहम भूमिका रखता है। इस विधानसभा सीट पर लगातार पिछले दो चुनावों से (2014, 2019) SHS अपनी विजय पताका फहरा रही है। मौजूदा समय में इस सीट पर शिवसेना शिंदे से सदा सरवणकर एमएलए हैं।

माहिम सीट पर 2019 और 2014 का हाल

2019 के विधानसभा में शिवसेना शिंदे के सदा सरवणकर ने 18,647 मतों के अंतर से इस सीट पर फतह हासिल की थी। उन्हें 49 .45 % वोट शेयर के साथ कुल 61,337 वोट मिले थे। उन्होंने मनसे के संदीप सुधाकर देशपांडे को मात दी थी, जिन्हें 34 .42 % वोट शेयर के साथ 42,690 वोट मिले थे। वहीं, 2014 के विधानसभा चुनाव में सुनील गोविन्द शिंदे ने इस सीट पर जीत का परचम लहराया था। 2014 के विधानसभा चुनाव में सुनील गोविन्द शिंदे को जहां 40 .90 % वोट शेयर के साथ कुल 60,625 वोट मिले थे, वहीं NCP उम्मीदवार अहीर सचिन मोहन को 37,613 वोट (25 .38 %) मिले थे। सुनील गोविन्द शिंदे ने अहीर सचिन मोहन को 23,012 मतों के अंतर से हराया था।

माहिम सीट पर पिछले विजेता

2019 : सदा सर्वणकर (शिवसेना)
2014 : सुनील गोविंद शिंदे (शिवसेना)

पुणे छावनी सीट

पुणे छावनी विधानसभा सीट महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से एक है। यह निर्वाचन क्षेत्र एक एससी सीट है। यह पुणे शहर में है। यह पुणे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का एक हिस्सा है। इस निर्वाचन क्षेत्र के मुख्य दल भारतीय जनता पार्टी (BJP) और कांग्रेस हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र अपने आप में एक अहम भूमिका रखता है। इस विधानसभा सीट पर लगातार पिछले दो चुनावों से(2014, 2019) भारतीय जनता पार्टी अपनी जीत का झंडा फहरा रही है। वर्तमान में पुणे छावनी विधानसभा सीट पर भाजपा से सुनील कांबले विधायक हैं।

पुणे छावनी सीट पर 2019 और 2014 का हाल

- 2019 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा के सुनील कांबले ने 5,012 वोटों के अंतर से सीट जीती थी। सुनील कांबले को 41.21% के वोट शेयर के साथ 52,160 वोट मिले थे। उन्होंने कांग्रेस के बागवे रमेश आनंदराव को हराया था, जिन्हें 47,148 वोट (37 .25%) मिले थे।
- 2014 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा के बापट गिरीश भालचंद्र ने यह सीट जीती थी और उन्हें 43 .44% के वोट शेयर के साथ 73,594 वोट मिले थे। वहीं, कांग्रेस उम्मीदवार डॉ.रोहित दीपक तिलक को 31,322 वोट (18 .49%) के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। 2014 में भाजपा के बापट गिरीश भालचंद्र ने डॉ.रोहित दीपक तिलक को 42,272 वोटों के अंतर से हराया था।

परिवार एक, पार्टी दो, विक्ट्री तीन

इस बार कौन तैयार कर पाएगा जीत की जमीन

सीट का समीकरण
अमित बृज

ऐरोली सीट ठाणे जिले में आती है। बीएसपी से अरविंद श्रीराम राव,बीजेपी से गणेश नाइक, शिवसेना यूबीटी से मनोहर कृष्णा माध्वी चुनावी मैदान में है। गणेश नाइक का ऐरोली सीट पर मजबूत दबदबा है, जैसा कि पिछले चुनावों में उनके शानदार प्रदर्शन से साफ होता है। 2019 में उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार के रूप में 114,645 वोट प्राप्त किए, जो एक बड़ी जीत थी। इस सीट पर उनका प्रभुत्व इसलिए भी स्पष्ट है क्योंकि उन्होंने लगातार पिछले चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, इस बार भी अन्य पार्टियों के उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, लेकिन गणेश नाइक की लोकप्रियता और भाजपा का समर्थन उन्हें एक मजबूत उम्मीदवार बनाता है।

ऐरोली विधानसभा सीट का इतिहास

ऐरोली विधानसभा सीट की जनता को अब तक तीन बार जनादेश देने का मौका मिला है, और यहाँ के चुनावी इतिहास में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव देखे गए हैं :

- 2009 और 2014 – संदीप गणेश नाईक (एनसीपी) ने दोनों बार जीत हासिल की। इन दोनों चुनावों में उन्होंने शिवसेना के उम्मीदवार विजय लक्ष्मण चौघुले को हराया।
- 2019 – इस बार गणेश नाईक (बीजेपी) ने संदीप नाईक के पिता, भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर एनसीपी के प्रत्याशी को मात दी और जीत हासिल की।

गणेश नाइक का परिचय

गणेश नाईक का राजनीतिक सफर काफी दिलचस्प और प्रभावशाली रहा है। उनका राजनीतिक जीवन 1990 में *शिवसेना* से शुरू हुआ, लेकिन 1999 में उन्होंने *एनसीपी* (राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी) जॉइन कर ली। इसके बाद, गणेश नाईक ने राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री पदों पर कार्य किया। उनके सामाजिक कार्यों के कारण उन्हें *9 फरवरी 2023* को *महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार* से सम्मानित किया गया।

ऐरोली की जनता ने कब किसे दिया जनादेश?

वर्ष	उम्मीवार	पार्टी	कुल वोट
2019	गणेश नाइक	भाजपा	114645
2014	संदीप गणेश नाइक	एनसीपी	76444
2009	संदीप गणेश नाइक	एनसीपी	79075

ऐरोली विधानसभा के जातीय समीकरण

ऐरोली विधानसभा सीट ठाणे जिले में स्थित है, और इस सीट पर विभिन्न जातिगत और धार्मिक समूहों के मतदाताओं का प्रभाव देखा जाता है। 2019 के विधानसभा चुनावों के आंकड़ों के अनुसार, यहाँ कुल *4,47,697* वोटर्स हैं, जिनमें विभिन्न समुदायों और जातियों के वोटर्स शामिल हैं :

- दलित वोटर्स : 42,531
- मुस्लिम वोटर्स : 26,861
- पाटिल वोटर्स : 17,000 से अधिक
- यादव वोटर्स : 12,500 से अधिक
- राजपूत वोटर्स : लगभग 9,000
- आदिवासी वोटर्स* : करीब 8,000

गणेश नाईक के निर्वाचन इतिहास पर नजर डालें तो:

- *1994-95, 2004-09, और 2009-14* में वह विधायक निर्वाचित हुए थे।
- *2014 में, **संदीप गणेश नाईक* (एनसीपी) ने *शिवसेना के विजय लक्ष्मण चौघुले* को हराकर जीत दर्ज की।
- *2019 के चुनाव में, **गणेश नाईक* (बीजेपी) ने *एनसीपी के गणेश शिंदे* को हराया और बीजेपी के टिकट पर ऐरोली से जीत प्राप्त की।
- 2019 में पार्टी परिवर्तन के बाद, गणेश नाईक ने *बीजेपी* में शामिल होकर ऐरोली विधानसभा सीट पर विजय प्राप्त की, और 2024 के चुनावों में भी उन्हें *बीजेपी* ने ऐरोली से उम्मीदवार के रूप में फिर से चुना है।

यह आंकड़े बताते हैं कि ऐरोली विधानसभा क्षेत्र में दलित, मुस्लिम, पाटिल और यादव वोटर्स का महत्वपूर्ण प्रभाव है, जो चुनावी परिणामों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। इन जाति-समूहों का राजनीतिक दृष्टिकोण उम्मीदवारों और पार्टियों के लिए एक रणनीतिक चुनौती है, क्योंकि इन्हें अपने पक्ष में करना चुनावी जीत के लिए महत्वपूर्ण होगा।

2024 में क्या होगा?

2024 के *महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव* में *ऐरोली* सीट पर जीत-हार का अंदाजा लगाना थोड़ी मुश्किल हो सकता है, लेकिन पिछले चुनावों के परिणाम को ध्यान में रखते हुए *बीजेपी* के पक्ष में उम्मीद जताई जा रही है। *2019 में, **गणेश नाईक* (बीजेपी) ने *एनसीपी के गणेश शिंदे* को *78,000 से अधिक वोटों* से हराकर बड़ी जीत दर्ज की थी। इस जीत के बाद, बीजेपी का पलड़ा इस बार भी *भारी* दिखाई दे रहा है, खासकर तब जब गणेश नाईक की लोकप्रियता और उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों को ध्यान में रखा जाए। हालांकि, जैसा कि आपने सही कहा, *चुनाव में जनता ही जनार्दन होती है, और वह ही तय करती है कि कौन सत्ता में आएगा और कौन हार जाएगा। चुनावों में हर चीज बदल सकती है, और जनता का मूड किसी भी समय बदल सकता है। यह देखा जाएगा कि जनता इस बार किसे **पलकों पर बैठाती है* और किसे *नज़र से गिरा देती है*।

महाराष्ट्र चुनाव में आरएसएस की 'स्पेशल 65' की एंट्री

बदल रहा है पूरा समीकरण, महायुति को फायदा

रणनीति
धीरज सिंह

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस बार महाविकास अघाड़ी और महायुति के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है, लेकिन अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी इस चुनावी रण में कूद पड़ा है। RSS अपने 65 से अधिक सहयोगी संगठनों के जरिए एक बड़ा अभियान चला रही है, जिसे "सजग रहो" नाम दिया गया है। इस अभियान के तहत आरएसएस की टीम को 'स्पेशल 65' नाम से जाना जा रहा है। यह अभियान राज्यभर में जागरूकता फैलाने और नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। आरएसएस इस पहल के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है और चुनावी माहौल में अपनी सक्रियता बढ़ाना चाहती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां उसकी गतिविधियां अधिक प्रभावी हो सकती हैं। इस कदम से आरएसएस का उद्देश्य उन वोटरों तक अपनी बात पहुंचाना है, जो चुनावी फैसलों को प्रभावित कर सकते हैं, और इसके साथ ही बीजेपी और महायुति के पक्ष में माहौल बनाने का भी इरादा है।

'स्पेशल 65' का मकसद

आरएसएस की 'स्पेशल 65' के इस अभियान का मकसद केवल बीजेपी को विधानसभा चुनावों में मजबूत करना नहीं है, बल्कि यह हिंदू समाज को विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ एक जवाबी कार्रवाई के रूप में भी देखा जा रहा है। RSS का मानना है कि चुनावी माहौल में इस तरह के अभियान से न केवल राजनीतिक स्थिति को प्रभावित किया जाएगा, बल्कि समाज में एकजुटता भी बढ़ेगी। RSS का यह भी दावा है कि इस अभियान के जरिए वे उन ताकतों के खिलाफ जागरूकता फैलाना चाहते हैं, जो हिंदू समाज को विभिन्न समूहों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उनका यह मानना है कि इस अभियान का प्रभाव सिरे से जनता के बीच दिखाई देगा और यह महायुति के पक्ष में वोटों का ध्रुवीकरण करेगा, जिससे उन्हें चुनावी लाभ होगा। इस अभियान के माध्यम से RSS महायुति को एक संगठित और मजबूत धारा के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है, जिससे मतदाताओं में यह विश्वास बढ़े कि यह गठबंधन हिंदू समाज की सुरक्षा और एकता की ओर काम कर रहा है।

इस अभियान की टाइमिंग है खास

राजनीति के जानकारों का मानना है कि RSS ने जिस समय 'स्पेशल 65' अभियान की शुरुआत की है, वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणामों पर महत्वपूर्ण असर डाल सकता है। इस अभियान से महायुति गठबंधन को जमीनी स्तर पर फायदा होने की संभावना जताई जा रही है। खासकर, यह अभियान हिंदू वोट बैंक को महायुति के पक्ष में लाने की कोशिशों को तेज कर सकता है। RSS का यह अभियान महायुति के चुनावी रणनीति का एक अहम हिस्सा बन सकता है, क्योंकि इसका उद्देश्य हिंदू समाज में एकजुटता और जागरूकता फैलाना है। इससे गठबंधन के समर्थन में बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि चुनावी माहौल में हिंदू मतदाताओं के बीच यह संदेश

जाएगा कि महायुति हिंदू हितों की रक्षा के लिए तत्पर है।

हिंदुओं को जागरूक के लिए चलाया जा रहा अभियान

आरएसएस का 'सजग रहो' अभियान लोकसभा चुनाव के बाद चलाए जा रहे तीन राष्ट्रीय अभियान का सबसे नया हिस्सा है. इसे बांग्लादेश में हिंदुओं पर हाल ही में हुए हमलों के बाद भी खास तौर पर चलाया जा रहा है. ताकि हिंदुओं को जागरूक बनाया जा सके. इस तीन सूत्रीय अभियान के पहले दो सूत्र हैं योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी 'बांटेंगे तो काटेंगे' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी 'एक हैं तो सेफ हैं'.

'ये अभियान किसी के खिलाफ नहीं है'

आरएसएस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, 'सजग रहो' अभियान किसी विशेष वर्ग या समुदाय के खिलाफ नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज के भीतर जातिवाद और विभाजन को समाप्त करना है। अभियान का फोकस हिंदू समाज में एकता और जागरूकता पैदा करने पर है, ताकि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारे और समानता को बढ़ावा मिले। BJP से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए आरएसएस के स्वयंसेवक और 65 से ज्यादा गैर सरकारी संगठन (NGOs) मिलकर लोगों तक यह संदेश पहुंचाने के लिए विभिन्न बैठकें और कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इन बैठकों का मकसद हिंदू समाज को यह समझाना है कि एकजुट होकर ही वे अपनी सामाजिक और राजनीतिक ताकत को मजबूत बना सकते हैं, और समाज में जातिवाद, भेदभाव जैसे मुद्दों को समाप्त कर सकते हैं। यह अभियान हिंदू समाज के भीतर एकता के महत्व को उजागर करता है, और साथ ही समाज के विभिन्न हिस्सों को जोड़ने की कोशिश करता है। 'सजग रहो' अभियान इस विचारधारा को फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे कि समाज में एकजुटता और जागरूकता का माहौल बने।

हिंदू मतदाताओं के एकजुट होने से महायुति को होगा फायदा?

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अगर आरएसएस के 'सजग रहो' अभियान से हिंदू मतदाता एकजुट होते हैं, तो इसका सबसे अधिक फायदा महायुति गठबंधन को हो सकता है। इस अभियान के तहत हिंदू समाज में जागरूकता और एकजुटता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, जो महायुति के लिए चुनावी रणनीति को मजबूती प्रदान कर सकता है। विशेष रूप से, यदि हिंदू मतदाता इस अभियान से प्रभावित होकर एकजुट होते हैं, तो इसका असर महायुति के पक्ष में वोटों के ध्रुवीकरण के रूप में देखा जा सकता है, जिससे उन्हें चुनावी लाभ हो सकता है। इसके अलावा, यह भी माना जा रहा है कि इस अभियान की टाइमिंग को लेकर एक खास रणनीति है। आरएसएस ने इस अभियान को महाराष्ट्र और झारखंड जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव के ठीक पहले शुरू किया है, जो इस बात का संकेत देता है कि यह अभियान इन चुनावों को प्रभावित करने के लिए एक सुनियोजित प्रयास हो सकता है। चुनावी समय में इस तरह की पहल से न केवल जागरूकता बढ़ाई जा सकती है, बल्कि वोटों का रुझान भी एक खास दिशा में मोड़ा जा सकता है, जिससे महायुति को खास फायदा हो सकता है।इस अभियान की शुरुआत उस समय की गई है, जब राज्य चुनावी माहौल में हैं, जिससे यह माना जा रहा है कि यह एक रणनीतिक कदम हो सकता है ताकि चुनावी नतीजों में असर डाला जा सके और महायुति के पक्ष में समर्थन बढ़ सके।